A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 27 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 329, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

संरक्षित हों तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका

अशोक मधुप

हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान (भक्तों) के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहे हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं ऐतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यकता है। इनके संजोकर रखने की जरूरत है।

हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नहीं कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकॉर्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीय व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडों की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं। ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडे ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं हैं। प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ हैं। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी-किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है।

शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा की/ तीर्थयात्रा के लिए या/ शव-दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडे इन आने वालों के रहने खाने तक की व्यवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश-वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ हैं। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के-बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश-वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं।

आजकल जब संयुक्त हिदू परिवार का चलन ख़त्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों- गाँवों, दादा- दादी के नाम व परदादा-परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है।

इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है। किसी यजमान के आने पर चंद मिनटों में ही संबंधित पुरोहित कंप्यूटर से भी तेज गति से वंशावली देखकर उनके पूर्वजों की जानकारी दे देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान इन तीर्थ स्थल पर आने वाले लोग अपने तीर्थ पुरोहितों के पास आकर वंशावली में अपने वंश के बारे में जरूर जानते हैं। ये पंडे जनपद के हिसाब से हैं। तीर्थ स्थल में पहने वालों को पता है कि किस जनपद के पंडा कौन हैं। किसी दूसरे के यजमान को कोई अन्य पंडा खुद क्रिया-कर्म नहीं कराता। संबधित जिले के पंडा के पास उसे भेज देता है।

शताब्दियों से हो रहा ये लेखन भोज पत्रों और ताम्र पत्रों के बाद अब कागज की बहियों पर शुरू किया गया। तीर्थ पुरोहितों के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी बहियां आज भी सुरक्षित हैं। तीर्थ पुरोहितों की बहियों में देश भर के राजाओं, महाराजाओं, साधु, संतों, राजनेताओं एवं आम लोगों के परिवारों के वंश लेखन बहियों में मौजूद हैं। अकेले हरिद्वार में 30 हजार से अधिक की संख्या में वंशावली की बहियां सुरक्षित और संरक्षित हैं। इन बहियों में लेखन करने के लिए अलग स्याही तैयार करके तीर्थ पुरोहित वही लेखन करते हैं, जो काफी वर्षों तक सुरक्षित रहती है। इन वंशावलियों में जातियों, गोत्रों, उपगोत्रों का भी जिक्र रहता है। सबसे अहम बात इन बहियों में देखने को मिलती हैं कि तीर्थ पुरोहितों ने लेखन को भेदभाव से दूर रखा है। जहां राजाओं, महाराजाओं की वंशावलियां जिस क्रम में अंकित हैं, उसी क्रम में तीर्थ नगरी में पहुंचने वाले अन्य श्रद्धालुओं की हैं। विभिन्न राजवंशों की मुद्राएं, हस्त लेखन, दान पत्र, अंगूठे और पंजों के निशान बहियों में मौजूद हैं। यहां की वंशावलियों में देश की कई रियासतों के राजाओं के आने के उल्लेख दर्ज हैं।

अक्टूबर 2007 में हमें इंडियन वर्किंग जर्नलिस्ट की एक कांफ्रेंस में बद्रीनाथ जाने का अवसर मिला। वहां पंडित जी से बात की। वंशानुक्रम के बारे में बताया। बात करते-करते पंडित जी ने अपनी बही खोलकर उनके गोत्र का विवरण खोला तो पता चला कि मारवाड़ी के पिता जी 41 वर्ष पूर्व यहां यात्रा को आए थे। यात्रा को आने के बाद हुए उनके दो बच्चों का विवरण दर्ज नहीं थे। पंडित जी ने बही देखकर बताया कि 93 साल पूर्व उनके दादा जी बद्रीनाथ आए थे। दोनों के आने की तिथि तक वही में दर्ज थी। उनके हस्ताक्षर भी बही में मौजूद थे। मित्र को अपने बाबा का नाम ज्ञात था। यहां बही से उन्होंने अपने बाबा के पिता उनके भाई, बाबा के दादा और उनके भाइयों आदि का विवरण नोट किया। पंडित जी ने अपनी वही में मित्र से अपने और उनके बच्चे, भाई और भाइयों के बच्चों की जानकारी नोट की। नीचे तारीख, माह, सन डालकर हस्ताक्षर कराए।

सदियों से चले आ रहा इतिहास को संजोकर रखना एक दुरूह कार्य है। इस कार्य को ये पंडे सुगमता से पीढ़ियों से करते चले आ रहे हैं। आज इस इतिहास को संजोने और संरक्षण की जरूरत है। अच्छा रहे कि इनका कंप्यूटरीकरण हो जाए। बहियों को लैमिनेट करके भी संरक्षित किया जा सकता है। ये काम सरकार को अपने स्तर से कराना होगा, तभी ये संभव हो पाएगा।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

अब कांग्रेस के लाउडस्पीकरों का करंट कमजोर पड़ गया है

हरियाणा विधानसभा चुनाव में विश्लेषकों पर पीएम मोदी का तंज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार में कहा कि अब कांग्रेस के लाउडस्पीकरों का करंट भी कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, बड़े-बड़े दावे करने वाले उसके 'लाउडस्पीकर्स' का करंट भी कमजोर हो गया है।

इसके अलावा कांग्रेस पर किसानों को बरगलाने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान हरियाणा के किसानों को फसलों का नुकसान होने पर केवल दो रुपये का चेक मिलता था। यही नहीं दलितों से अत्याचार का आरोप भी प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि हरियाणा में कांग्रेस शासन के दौरान दलितों पर कितने अत्याचार हुए। हिमाचल में कांग्रेस ने बड़े-बड़े वादे किए लेकिन सत्ता में आने के बाद विकास थम गया और वे वेतन तक नहीं दे पा रहे हैं। हरियाणा के लोगों ने भाजपा को सेवा का एक और मौका देने का फैसला कर लिया है। कांग्रेस का ज्यादातर समय आपसी कलह में ही बीतता है, हरियाणा का बच्चा-बच्चा इसकी अंदरूनी कलह से वाकिफ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तो बीते 10 सालों में विपक्ष के तौर पर भी फेल ही रही है।

कांग्रेस की कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित

मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस का ज्यादातर समय आपसी गुटबाजी, लड़ाई और एक दूसरे का हिसाब चुकता करने में खप रहा है। उन्होंने कहा, 'जो पार्टी 10 साल तक जनता के विषयों से दूर रही हो, जो अपने परिवार के लिए जिए या अपने गुट के लिए जिए... ऐसे लोग हरियाणा की जनता का विश्वास कभी नहीं जीत सकते।' मोदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस की आंतरिक कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित है लेकिन उन्हें उनकी कलह पर सुखचैन से नहीं बैठ जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वह अपनी मौत मरने वाले हैं। लेकिन हमें तो अपने परिश्रम से अपना झंडा गाड़ना है। हमें पहले से ज्यादा मेहनत करनी है।'

सुप्रभात

चले नीड़ को पंछी उड़ उड़,
देख रहा मैं पथ में मुड़ मुड़ ।
शायद तुम आवाज़ लगाओ,
लेकर मेरा नाम,
गगन में है पीली सी शाम ।

पर्वत पर ठहरे हैं बादल,
रुत का पीला पीला आंचल ।
मुझसे तो हर बार सदा ही,
रहा विधाता वाम ।
गगन में है पीली सी शाम ।

तट से टकराती है लहरें,
और उतर जाती है गहरे ।
इनकी भेद भरी कल कल में,
सुनता हूँ तेरा पैग़ाम ।
गगन में है पीली सी शाम ।

- गोविन्द गुंजन

भारत का शुक्रयान मिशन मार्च 2028 में होगा लॉन्च

4 साल का मिशन, यह पृथ्वी का जुड़वां ग्रह, इसका एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर

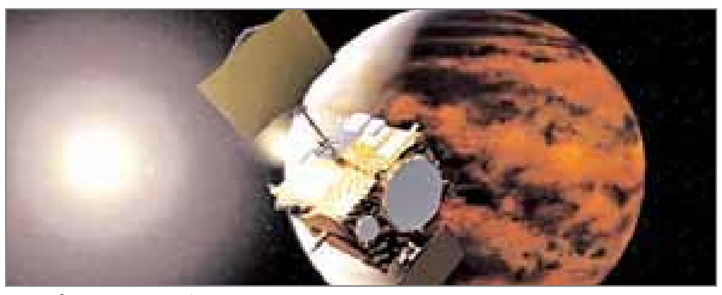

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इस मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। मिशन वीनस क्या है भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, ऑयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है। ऐसे में सूर्य का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका भी पता लगाएगा। वीनस की स्टडी क्यों जरूरी है, इसके 3 कारण वीनस ग्रह को अक्सर पृथ्वी का जुड़वां कहा जाता है क्योंकि यह आकार और डेंसिटी (घनत्व) के मामले में पृथ्वी जैसा है। इसलिए, वीनस के अध्ययन से पृथ्वी के विकास को समझने में मदद मिल सकती है।

सीएम मोहन यादव बोले-

कांग्रेस के नादान हैं राहुल गांधी

हरियाणा में कहा- वे पाकिस्तान का समर्थन लेते हैं, तो राजनीति भी वहीं करें

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी को लेकर कहा कि कांग्रेस के नादान हैं, आज वे (राहुल गांधी) हरियाणा आए हैं। वे न देश का सम्मान रखते हैं और ना विदेश में भारत का सम्मान रखते हैं। दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि राहुल गांधी को न यहां समझ है और ना वहां समझ है। वे जो भी करते हैं, गलत ही करते हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए चरखी दादरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति की ध्वजा लहराने का समय है। दुनिया के अंदर उथल-पुथल है।

पाकिस्तान का समर्थन लेना है, तो वहीं राजनीति करो- सीएम ने राहुल गांधी के लिए कहा- अगर राजनीति करना है, तो देश के अंदर करो, लेकिन ऐसी बात मत करो, जो देश का अपमान करे। सीएम ने कहा, यह वही लोग हैं, जिनके लिए पाकिस्तान से आवाज आती है कि हम, कांग्रेस और उनके साथ वाले धारा 370 हटाने की बात का विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान उसका समर्थन कर रहा है। भैया मेरे.. भारत में राजनीति करना है, तो भारत के लोगों का समर्थन ले लो तुम पाकिस्तान का समर्थन लोगे, तो पाकिस्तान में राजनीति करो। भारत में काहे के लिए कर रहे हो।

हमारे सैनिक पाकिस्तान से सरहद पर लड़ रहे, वे देश को अपमानित करते हैं

सीएम ने कहा- घर के बच्चे सीमा पर खड़े होकर पाकिस्तान के सैनिक के साथ खून की बाजी लगाकर लड़ते हैं। ये वोट की खातिर हमारे खून को अपमानित करते हैं। देश को अपमानित करते हैं। सेना को लज्जित करते हैं। पूरा देश इन भावनाओं का विरोध करता है। जो भी भारत के खिलाफ जाएगा, जनता उसे सबक सिखाएगी। जो देश वासियों के साथ सेना, जवान, किसान, गरीब, मजदूर, युवा सबका सम्मान करेगा उसके पक्ष में आप लोग वोट देंगे।

पहले विदेशी मेहमानों को ताजमहल दिखाते थे

सीएम ने कहा, एक जमाना था जब अमेरिका, इंग्लैंड से कोई आता था, तो उसे ताजमहल दिखाने ले जाते थे। आज अगर विदेश से मेहमान आता है, तो उसे मंदिर दिखाते हैं। उपहार स्वरूप पवित्र गीता भेंट करते हैं।

भगवान कृष्ण ने धर्म और सच्चाई पर चलने का मार्ग दिखाया है। हम धर्म की बात करते हैं, तो विरोधियों की छाती पर सांप लोटते हैं। ये धर्म की बात क्यों कर रहे हैं। उन्हें भगवान का नाम लेने में शर्म आती है। अयोध्या में 500 साल के संघर्ष के बाद भगवान राम का मंदिर बना। अब भगवान कृष्ण भी यमुना जी के किनारे बुला रहे हैं। कांग्रेस के लोगों को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया था। दुनिया भर से ना जाने कहां कहां से लोग शामिल हुए। लेकिन, अगर कोई नहीं आया, तो वो कांग्रेस वाले थे।

मेरा तो नंबर ही नहीं था

सीएम ने कहा- मीडिया वाले मुझसे पूछते हैं कि यादवों को भाजपा से क्यों जुड़ना चाहिए। मैं यह नहीं कहता कि जातीय आधार पर किसी को किसी से जुड़ना चाहिए, लेकिन देश में जो तीन-चार जितनी भी पार्टियां हैं, आप उन सबका अतीत देखो, किसी ने हमें मौका नहीं दिया। भाजपा को देखो, तो सबसे बड़ा पार्लियामेंट्री बोर्ड उसमें सुधा यादव शामिल हैं। केन्द्र सरकार में राव इंद्रजीत सिंह, भूपेन्द्र यादव, अन्नपूर्णा देवी और नित्यानंद राय, चार-चार लोगों को मौका दिया है।

सीएम ने कहा, मेरा तो कहीं नंबर ही नहीं आता। आप लोग तो यहां इतनी बड़ी संख्या में हो। मैं जहां से आता हूं, मेरी विधानसभा में तो समाज के 500 लोग भी नहीं हैं। फिर भी मुझे तीन-तीन बार यदि विधायक बनने का मौका मिला तो भाजपा ने दिया।

भारत का अलर्ट, जल्द से जल्द लेबनान छोड़ें भारतीय

इजराइली सेना घुसपैठ की तैयारी में, अमेरिका-फ्रांस ने जंग रोकने की मांग की

यरुशलम/बेरूत (एजेंसी)। भारत सरकार ने लेबनान में जंग जैसे हालातों को लेकर बुधवार देर रात एडवाइजरी जारी की। बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने यहां रह रहे भारतीय नागरिकों से तुरंत देश छोड़कर जाने को कहा है। वहीं, लोगों को बेहद सतर्क रहने की भी सलाह दी गई है। दो महीने पहले दूतावास ने लोगों को वहां जाने से भी मना किया था। लेबनान और इजराइल के बीच हो रहे हमले पिछले 8 दिनों में बढ़े हैं। इनमें 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

इजराइली सेना लेबनान में घुसपैठ की तैयारी कर रही है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में एक और जंग का खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल के मिलिट्री चीफ हर्जई हालेवी ने बुधवार को कहा कि लेबनान में उनके हवाई हमलों का मकसद हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना और जमीनी घुसपैठ का रास्ता तलाशना है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने बुधवार देर रात हिजबुल्लाह के 75 ठिकाने पर हमले किए।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3°c न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 27 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

दुकान पर पहचान, हिमाचल में कांग्रेस हलाकान

विक्रमादित्य के फरमान पर कांग्रेस में ही घमासान, बीजेपी का मिला साथ

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की तरह उनकी सरकार ने भी दुकानों पर पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया है। विक्रमादित्य के इस फरमान के बाद कांग्रेस पार्टी में ही घमासान मच लगया है। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने इस पर आपत्ति जाहिर की है। हालांकि, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विक्रमादित्य सिंह ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन अपने रुख को दोहराया और कहा कि यह आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उधर, भाजपा ने विक्रमादित्य के फैसले को सही करार दिया है। अपने फैसले पर विवाद के बीच विक्रमादित्य सिंह ने अपनी बात को

दोहराया और इसके पीछे वजह भी बताने की कोशिश की। हालांकि, एक दिन पहले अपने बयान में यूपी के फैसले का जिक्र करने वाले विक्रमादित्य सिंह ने अब कहा है कि इसका यूपी या योगी से कोई लेना देना नहीं है। एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा, 'बाहर के राज्य के लोगों का हिमाचल में स्वागत है। हिमाचल देश का हिस्सा है। कोई भी काम के लिए आ सकता है। लेकिन प्रदेश की आतंरिक सुरक्षा बनाए रखा, क्योंकि इससे प्रदेश में ड्रग्स का विस्तार हो रहा है, उसे ठीक रखना है, कानून व्यवस्था को ठीक रखना है। हाईजीन को ध्यान में रखना है। हाई कोर्ट ने भी चिंता जाहिर की है। इसलिए हमने बैठक में फैसला लिया है कि सबको पहचान बतानी होगी, भले ही कोई हिमाचल का हो या बाहर का। यह हिमाचल की सुरक्षा और लोगों की चिंता से जुड़ा है।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हिमाचल के प्रभारी राजीव शुक्ला ने यह कहकर विवाद को ठंडा करने की कोशिश की कि विक्रमादित्य ने यूपी की तर्ज पर कोई फैसला नहीं लिया है। इसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

बंगाल में फिजिकल टेस्ट के दौरान बिहार के छात्रों से जमकर मारपीट

गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर साधा निशाना

कहा-बंगाल में रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को मिलती है रेड कार्पेट सुविधा

बेगूसराय (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सरकारी नौकरी के लिए फिजिकल टेस्ट देने गए बिहार के छात्रों के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कड़े शब्दों में नाराजगी जाहिर की है। गिरिराज सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार है। जहां रोहिंग्या और बांग्लादेशी, घुसपैठिए और मुसलमानों के लिए रेड कार्पेट बिछाया जाता है। उसी पश्चिम बंगाल में जब अपने ही देश के बच्चे, बिहार के अभ्यर्थी एग्जाम देने जा रहे हैं तो उनके साथ गुंडई की जा रही है। उन्हें मार रहे हैं, पीट रहे हैं, भगा रहे हैं। यह तस्वीर बिहार के तेजस्वी यादव भी देखें, राहुल गांधी भी देखें। ये लोग बताएं कि पश्चिम बंगाल अलग राष्ट्र है या भारत का एक अंग है।

इससे पहले बिहार बीजेपी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बिहार से पश्चिम बंगाल में एग्जाम देने गए छात्रों के साथ मारपीट की गई।

घाटी में अब्दुल्ला और नेहरू 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था, फारुक लंदन में महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली कर रहे थे। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारुक अब्दुल्ला कहां थे। वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, सिर्फ भाजपा ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए, लेकिन जो आतंक फैलाएगा, उसका जवाब फांसी के तख्ते पर ही दिया जाएगा। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा चुनाव होने जा रहा है, जब यहां न धारा-370 है और न ही अलग झंडा है। जम्मू-कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, 40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा।

हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। हमारी सरकार ने धारा-370 को खत्म कर दिया। अब न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। कांग्रेस, एनसी जम्मू-कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। उमर अब्दुल्ला और राहुल कह रहे थे कि हम जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप। अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार ने 70 साल तक जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। अभी-अभी राहुल गांधी यहां आए थे। उन्होंने कहा कि बाहर के लोग यहां शासन करते हैं, उनका मतलब उप-राज्यपाल जी से था।

हरियाणा की जनता की जेब में हम डायरेक्ट पैसे डालेंगे

● राहुल बोले-मोदी सरकार ने अग्निवीर बना पेंशन-शहीद का दर्जा छीना

कहा-सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को केन्द्र की सरकार ने ही बचाया

हिसार/करनाल (एजेंसी)। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने गुरुवार को असंध और बरवाला में रैली की। असंध में राहुल गांधी ने कहा भाजपा ने एथलीट्स खत्म कर दिए। महिला पहलवानों से सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को बचाया। बरवाला में कांग्रेस नेता ने कहा- अग्निवीर स्कीम लाकर जवानों से पेंशन और शहीद का दर्जा छीन लिया गया। राम मंदिर बनाया लेकिन आदिवासियों को नहीं घुसने देते। राहुल ने कहा- मोदी जी का चेहरा देखा है। पहले 56 इंच की छाती हुआ करती थी। अब कहते हैं नॉन बायोलॉजिकल हूं, मेरा भगवान से सीधा रिश्ता है। घबरा गए हैं, तभी उल्टी सीधी बात बोल रहे हैं। राहुल ने हरियाणा में क्लीन स्वीप का दावा करते हुए कहा कि वे हरियाणा की जनता की जेब में डायरेक्ट पैसा डालेंगे। करनाल रैली में राहुल गांधी भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी सैलजा को एक साथ मंच पर लेकर आए। टिकट बंटवारे में अनदेखी और हुड्डा समर्थकों के कथित जातिसूचक शब्द कहे जाने से सैलजा नाराज चल रहीं थीं।

राहुल गांधी बोले- अग्निवीर क्या है मैं आपको बताता हूं। पहले आपको याद है वन रैंक वन पेंशन हुआ। अफसरों की जेब में पैसा गया।

रूस में रहना है तो अब बच्चे पैदा करना होगा जरूरी

● जनसंख्या बढ़ाने के लिए पुतिन सरकार लाने जा रही नया बिल

मास्को (एजेंसी)। दुनियाभर के कई देशों की तरह रूस भी बढ़ती उम्रदराज जनसंख्या से जूझ रहा है। बुजुर्गों की बढ़ती जनसंख्या और घटती जन्म दर के बीच रूसी सांसदों ने इससे निपटने के लिए नि:संतानता पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। मॉस्को की जनसंख्या में गिरावट यूक्रेन पर उसके सैन्य हमले के कारण बढ़ी है, जिससे आर्थिक खतरा भी बढ़ गया है। संसद अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन

ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमने जानबूझकर बच्चे पैदा करने से इनकार करने के प्रचार पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर विचार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये कदम संतानहीनता की विचारधारा और बच्चा मुक्त लाइफस्टाइल पर प्रतिबंध के समान होंगे। प्रस्तावित कानून ऑनलाइन, मीडिया, विज्ञापन और फिल्मों के कंटेंट पर लागू होगा। वोलोडिन ने कहा कि इस बिल के उल्लंघन पर व्यक्तियों पर 400,000 रूबल से लेकर बिजनेस और संस्थाओं पर 5 मिलियन रूबल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, एक बड़ा और मैत्रीपूर्ण परिवार एक मजबूत राज्य का आधार है। रूस में इस विधेयक को समर्थन मिलता दिख रहा है। जन्म दर बढ़ाने के लिए जो कुछ भी करने की जरूरत है वह किया जाना चाहिए।

नॉर्थ ईस्ट में खतरा, फिर बढ़ा 'अफ्सपा' का दायरा

हिंसा की खबरों के बीच मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए आर्म्ड फोर्सेस (स्पेशल पॉवर) एक्ट (अफ्सपा) का दायरा बढ़ा दिया है। इस कानून के तहत सुरक्षा बलों को किसी क्षेत्र को अशांत घोषित करने की छूट होती है। केंद्र ने पूर्वोत्तर के दो राज्यों नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद अफ्सपा का दायरा

बढ़ाया है। अफ्सपा के तहत सशस्त्र बलों के ऑपरेशन में मदद करने के लिए किसी क्षेत्र या जिले को डिस्टर्ब एरिया या अशांत क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया जाता है। इन क्षेत्रों में तैनात सैनिकों को तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी समझे जाने पर गोली चलाने के भी अधिकार मिल जाते हैं। बुधवार शाम को जारी अधिसूचना में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि आर्म्ड फोर्सेज (स्पेशल पॉवर) एक्ट, 1958 की धारा 3 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल, 2024 से छह महीने की अवधि के लिए नागालैंड के आठ जिलों और पांच अन्य जिलों के स्टेशनों को अशांत क्षेत्र घोषित किया है।गया है उनमें दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिर, नोकलाक, फेक और पेरेन शामिल हैं।

असंध में राहुल के अगल-बगल नजर आए सैलजा और हुड्डा

घंटे भर साथ रहे मगर नहीं हुई बातचीत, सिर्फ अभिवादन से चलाया काम

असंध (एजेंसी)। हरियाणा में मतदान से 9 दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने असंध विधानसभा क्षेत्र में अपनी पहली रैली की, जहां कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा के समर्थक शमशेर सिंह गोगी चुनाव मैदान में हैं। टिकट बंटवारे के बाद पार्टी में बढ़ी नाराजगी के बीच यह पहला मौका था, जब कुमारी सैलजा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा एक मंच पर नजर आए। दोनों नेताओं के बीच में प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और राहुल गांधी बैठे रहे। करीब एक घंटे तक चले कार्यक्रम में सैलजा और हुड्डा मंच पर मौजूद नेताओं से अलग-अलग बात करते दिखे। उम्मीदवारों के साथ फोटो सेशन में दोनों राहुल गांधी के अगल-बगल नजर आए। अपने भाषण में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का नाम लिया, मगर मंच पर उन्होंने बातचीत नहीं की।

राहुल गांधी ने सुनाई अमेरिका गए युवाओं की कहानी

अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, मुझे पता चला कि हरियाणा से 15-20 हजार लोग अमेरिका गए हैं। मेरे दिमाग में सवाल उठा कि हरियाणा से इतने लोग अमेरिका क्यों जा रहे हैं। मैं उनसे अमेरिका में मिला तो उन्होंने बताया कि वह कई देशों से गुजरकर वहां पहुंचे हैं। जब मैंने अमेरिका में युवाओं से पूछा कि क्या आप अपने परिवार से मिलते हैं। उन्होंने कहा- राहुल जी, हम 10 साल के लिए अपने माता-पिता, बच्चों और परिवार से नहीं मिल पाएंगे। मुझे कहा गया कि जब मैं हिंदुस्तान लौटूं तो 5 मिनट के लिए उनके परिवारों से मिलकर ये बताऊं कि वे ठीक हैं, क्योंकि फोन पर परिवार के लोग उनके सही-सलामत होने की बात पर यकीन नहीं करते।

बारिश से थमी मुंबई की रफ्तार, सड़कों पर सैलाब

● फ्लाइट्स पर पड़ा असर, देरी से चल रहीं लोकल ट्रेनें

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में हो रही लगातार भारी बारिश ने पूरे शहर की गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। हवाई सेवाओं से लेकर सड़क यातायात तक, हर जगह लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि 11 फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा और 14 फ्लाइट्स का रास्ता बदल दिया गया। भारी बारिश के चलते सुबह 8.32 बजे से 8.43 बजे तक और फिर 10.36 बजे से 10.55 बजे तक हवाई अड्डे के रनवे पर संचालन बंद रहा। इस दौरान दृश्यता महज 300 मीटर रह गई, जिससे उड़ान भरने और लैंडिंग में काफी मुश्किलें आईं। सड़क यातायात की बात करें तो मुंबई की सड़कों पर जलजमाव से हालत और खराब हो गई। बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के कर्मी लगातार पानी निकासी में लगे हुए हैं।

बेंगलुरु महालक्ष्मी मर्डर केस, मुख्य आरोपी ने किया सुसाइड

ओडिशा के गांव में पेड़ पर लटकता मिला शव; डायरी में हत्या की बात कबूली

भद्रक/बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के महालक्ष्मी मर्डर केस के मुख्य आरोपी ने ओडिशा के भद्रक जिले के गांव में बुधवार दोपहर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसका शव एक पेड़ पर लटकता मिला। उसकी बाइक भी वहीं खड़ी मिली। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम मुक्तिरंजन रॉय है। उसके पास से एक डायरी बरामद हुई है, जिसमें उसने महालक्ष्मी के मर्डर की बात कबूली है। महालक्ष्मी और रंजन साल 2023 एक-दूसरे जानते थे और रिलेशनशिप में थे। दोनों एक ही मॉल में काम करते थे। 20

सितंबर को बेंगलुरु के व्यालिकावल इलाके में बसप्पा गार्डन के पास बने तीन मंजिला मकान में 29 साल की महालक्ष्मी की लाश मिली थी। उसके शव के 59 टुकड़े कर फ्रिज में रखे गए थे। महालक्ष्मी मल्लेश्वरम में एक कॉस्ट्यूम आउटलेट में टीम लीडर थी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी कहा था कि संदिग्ध के ओडिशा में होने की जानकारी मिली है। आरोपी को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है। उन्हें ओडिशा भेजा गया है। बेंगलुरु पुलिस भी आरोपी की तलाश कर रही थी। महालक्ष्मी 4 साल से पति को छोड़कर अकेले रहती थी महालक्ष्मी के भाई उक्कम सिंह ने बताया था कि उनका परिवार नेपाल के कठंद राज्य के टीकापुर गांव का रहने वाला है। 30 साल पहले मम्मी-पापा काम के लिए बेंगलुरु आए और यहीं बस गए। महालक्ष्मी की शादी नेलमंगला में रहने वाले हेमंत दास से हुई थी। हेमंत मोबाइल एसेसरीज की शॉप में काम करता है।

एमईआईएल बनायेगी महाराष्ट्र को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर

मुम्बई/भोपाल। महाराष्ट्र सरकार ने हैदराबाद के मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत कंपनी महाराष्ट्र में 4000 मेगावॅट क्षमता के पंप स्टोरेज परियोजनाओं का निर्माण करेगी।

ये योजना की विशेषता यह है की पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को सबसे कम लागत पर स्थापित किया जा सकता है। इसका मुख्य उद्देश ग्रिड प्रबंधन, फ्रिक्वेन्सी रेग्युलेशन है। दोनों पंप स्टोरेज परियोजनाओं में लगभग 21,100 करोड़ रुपये का निवेश किया जायेगा और लगभग 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा।

नंदुरबार जिले में कामोद पंप स्टोरेज परियोजना और छत्रपति संभाजीनगर जिले में घोसला पंप स्टोरेज परियोजना इस नाम से ये प्रोजेक्ट जाने जायेगें। योजना की तहत एमईआईएल घोसला पीएसपी को साड़े तीन साल में, कामोद पीएसपी को पांच साल में बनायेगी ।

राजस्थान में शिव मंदिर के ऊपर बनी है अजमेर की दरगाह

● हिंदू सेना का कोर्ट में दावा-कहा-इसके तहखाने में महादेव की छवि

जयपुर (एजेंसी)। अजमेर जिला अदालत में अजमेर शरीफ दरगाह को लेकर एक याचिका दाखिल की हुई है। इसमें कहा गया है कि यह दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई है। याचिका में मांग की गई है कि इस दरगाह को श्री संकटमोचन महादेव विराजमान मंदिर घोषित किया जाना चाहिए। याचिका में दरगाह के आसपास से अवैध कब्जा हटाने की भी मांग की गई है।

अदालत में यह याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दाखिल की गई है। इस याचिका को हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दायर की थी। उन्होंने दावा किया है कि दरगाह को मंदिर के खंडहर पर बनाया गया है।

बंगाल सरकार के खिलाफ फिर भड़के जूनियर डॉक्टर

● कहा-बैठक की नहीं मिल रही इजाजत, अब तक नहीं मिला न्याय

कोलकाता (एजेंसी)। 'पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट' ने बुधवार को आरोप लगाया है कि राज्य सरकार उन्हें 27 सितंबर को कार्यक्रम आयोजित करने की इजाजत नहीं दे रही है। डॉक्टर्स ने आरोप लगाया है कि सरकार ने पहले इजाजत दे दी थी लेकिन अब इससे इनकार किया जा रहा है। इस बैठक में डॉक्टर्स आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में

जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अपने आंदोलन के भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा करना चाहते थे। इससे पहले आंदोलनकारी डॉक्टर्स ने पिछले सप्ताह अपना धरना वापस ले लिया था और राज्य सरकार के साथ बातचीत के बाद वे आंशिक रूप से राज्य संचालित अस्पतालों में आपातकालीन और जरूरी सेवाएं देने के लिए तैयार हो गए थे। हालांकि चिकित्सकों ने आरोप लगाया कि उनके आंदोलन को समर्थन देने वाले लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ऑफिस में हूं, कोई काम हो तो बताना...करा दूंगा

इंदौर में पीएमओ का एसीपी बताकर म्यूजिक टीचर को ठगा, बुलट खरीदवाई

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर पुलिस ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात एजेंसी का एसीपी बताकर लोगों को ठगने वाले को हिरासत में लिया है। वह मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला है और इंदौर के हीरानगर में रह रहा था। वह खुद को एनएसए (नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी का एसीपी) का अफसर बताता था। उसके पास से तिरंगा और एनएसए लिखी बुलेट भी बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ कर रही है। मामला लसूड़िया क्षेत्र का है। हिरासत में लिया गया आरोपी जलगांव का कल्पेश बेलदार (30) है। यहां साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर नाम की प्राइवेट कंपनी में काम करता है। पूछताछ में उसने एनएसए का एएसपी बताकर इंदौर के म्यूजिक टीचर और मुंबई के एक दोस्त से ठगी करना कबूला है। पुलिस सुरक्षा से जुड़े तथ्य पर भी सख्ती से पूछताछ कर रही है।

म्यूजिक टीचर से कहा- पीएम साहब से बोलकर काम करा दूंगा- आरोपी कल्पेश ने पूछताछ में यह कबूला लिया है कि वह खुद को पीएम ऑफिस में तैनात एजेंसी का अफसर बताता था। इंदौर में

वह पिछले एक महीने से भूषण तिवारी के म्यूजिक सीखने जा रहा था। यहां भी उसने अपना यही परिचय दिया था। उसने म्यूजिक टीचर भूषण से कह रखा था कि आपका कोई काम हो तो बता दीजिएगा, पीएम साहब से बोलकर करवा दूंगा। इसी झांसे में आकर भूषण ने उससे कहा कि उन्हें नेक्सोन कार लेनी है। इस पर कल्पेश ने उनसे कहा कि वह बहुत कम रेट में एक गाड़ी दिलवा देगा। इसके बाद उसने एक इस्टीमेट खुद ही फर्जीवाड़ा कर बना लिया और भूषण को बता दिया। भरोसे में आकर भूषण ने अपना आधार, पैन दे दिए थे। इसके बाद आरोपी कल्पेश, भूषण को अपने साथ बीएमडब्ल्यू बाइक शोरूम पर ले गया। यहां उसने एक बाइक दिलवाई। भरोसा जीतने के लिए कल्पेश ने भूषण को रुपए नहीं चुकाने दिए। इसके बजाय उसने चुपके से मुंबई के प्रभात मिश्रा से इस बाइक को पेमेंट करवाया। भूषण को बताया कि पेमेंट उसने खुद किया है। यहां तक कि जिस प्रभात ने पेमेंट किया था, उसे भी एनएसए का एएसपी बता रखा था, इसी भरोसे में उसने भी पेमेंट किया था। एक अन्य पीड़ित प्रभात गुप्ता मुंबई ने बताया कि उन्हें कल्पेश ने एनएसए का अधिकारी बताया और पैसे लिए।

भाजपा नेता को हुआ था शक- पता चला है कि आरोपी कल्पेश को भाजपा नेता संदीप जोशी ने बुधवार रात को ही पुलिस को सौंपा है। उन्होंने जानकारी दी कि यह व्यक्ति खुद को कभी पीएमओ तो कभी एनएसए का अधिकारी बताता फिरता है। ठगी भी कर रहा है। पुलिस ने बताया कि कल्पेश ने किन-किन लोगों से पैसे लिए, इसकी पड़ताल कर रहे हैं। उसके पास से किसी भी तरह के सरकारी एजेंसी के डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं।

आर्मी कैंटीन से कार दिलाने का भी झांसा

डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा जोन 2 के मुताबिक मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम लेकर ठगी करने का प्रकरण सामने आया है। पता चला है कि कल्पेश ने आर्मी कैंटीन से कार दिलाने के नाम पर भी भूषण से पैसे और डाक्यूमेंट लिए थे। कल्पेश ने भूषण के नाम से ही बाइक खरीदी है और पेमेंट मुंबई के किसी व्यक्ति से कराया है। कल्पेश हिरासत में है। इससे और खुलासे होने की उम्मीद है।

परेशानी

देवास-इंदौर के बीच ओवर ब्रिज निर्माण से हर दिन लग रहा दोनों तरफ 4-5 किमी लंबा जाम

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर-देवास रोड पर अर्जुन बड़ौद ग्राम के समीप बन रहे ब्रिज के कारण लग रहे जाम से लोग रोजाना परेशान हो रहे हैं। बुधवार को दोपहर 3 बजे के बाद तो वाहन ऐसे फंसे कि दो से तीन किमी लंबा जाम लग गया। यह जाम रात 10 बजे तक भी नहीं खुला था। वाहन चालकों को दो से तीन किमी का सफर तय करने में 1 से 2 घंटे का समय लग गया। पीड़ितों का कहना है, बारिश की शुरुआत से ही लोग परेशान हो रहे हैं। पुलिस और एनएचएआई अफसर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था नहीं होने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। परेशानी की वजह खराब डायवर्शन और जल्द पहुंचने के चक्कर में रॉन्ग साइड घुस रहे वाहन हैं।एनएचएआई इंदौर-देवास के बीच चार ओवर ब्रिज बना रहा है। यह निर्माण बायपास से लेकर शिप्रा तक चल रहा है। इंदौर बायपास वाले भाग में तो स्थानीय लोग परेशान हो रहे हैं। टोल के आगे अर्जुन बड़ौद ब्रिज निर्माण की कछुआ चाल और खराब सर्विस रोड के कारण वाहन जाम में फंस रहे हैं। बुधवार को दोपहर में हुई बारिश के बाद कीचड़ हो गया।

लंबी होती चली गईं वाहनों की कतार

इसके बाद वाहन फंसने लगे। 3 बजे के बाद तो वाहनों की कतारें दोनों ओर बढ़ती चली गईं। परेशान लोगों ने टोल नाके पर खबर की, मांगलिया व शिप्रा थाने पर बताया, लेकिन परेशानी कम नहीं हुई। इसके चलते शिप्रा-बरलाई मार्ग भी जाम हो गया, क्योंकि लोग उज्जैन तरफ आने लगे। सबसे ज्यादा परेशान

डेली अप-डाउन करने वाले हो रहे हैं। उन्हें रोजाना एक से दो घंटे जाम में फंसना पड़ रहा है।

परेशानी के दो बड़े कारण

1. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देवास से इंदौर की ओर जाम खराब डायवर्शन मार्ग के कारण लग रहा है। रोड संकरा है। इस पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। बारिश के कारण गड्ढों में यहां पानी भर गया है। कीचड़ हो रहा है। इससे वाहनों की गति धीमी होने से वे रेंगते हुए चलते हैं।
2. इंदौर से देवास की ओर जाने वाले मार्ग पर जाम का कारण है, देवास से इंदौर जल्द पहुंचने की होड़ में दोपहिया, कार और बस चालक अंडर पास से रॉन्ग साइड घुस जाते हैं। इससे दोनों तरफ के ट्रैफिक का आमना-सामना होता है और वाहन गुत्थमगुत्था होने से जाम लगने लगता है जो बढ़ता चला जाता है।

इंदौर से लापता नाबालिग भाई-बहन सूरत पहुंचे

सीसीटीवी में ट्रेन में चढ़ते दिखाई दिए, रिश्तेदार के यहां जा रहे थे

इंदौर (एजेंसी)। तिलक नगर से लापता हुए नाबालिग भाई-बहन गुजरात के सूरत में मिल गए हैं। उन्हें इंदौर लाया जा रहा है। दोनों बच्चे

नहीं मिले तो माता-पिता सीधे तिलक नगर थाने पहुंचे और डीसीपी व टीआई को जानकारी दी। उन्होंने सीसीटीवी दिखवाए तो दोनों रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में चढ़ते दिखाई दिए थे। तिलक नगर पुलिस के मुताबिक महेश बड़तीय का निवासी शालीमार पाम्स ने बेटे-बेटी के लापता होने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उनका 12 साल का बेटा और 8 साल की बेटी घर के पास खेलते-खेलते लापता हो गए। उन्होंने आसपास ढूंढा पर नहीं मिले। तो वे थाने पहुंचे।डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इनमें से एक में बच्चे रेलवे स्टेशन की ओर जाते दिखाई दिए। वे यहां से गुजरात जाने वाली ट्रेन में बैठ गए। पुलिस ने तत्काल रेलवे पुलिस को अलर्ट किया। इंदौर से सूरत के बीच सभी स्टेशन पर बच्चों को तलाशा गया।बच्चों ने पुलिस को बताया कि वे सूरत में किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। पुलिस ने दोनों को उन्हें सूरत स्टेशन पर उतार लिया। वहां से इंदौर लाया जा रहा है।

इंदौर की प्रिंसिपल को बिहार के युवक ने पीटा

सिंगिंग एप से हुई थी दोस्ती, पांच माह से साथ रहे रहे थे, महिला ने साथ छोड़ा तो मारपीट की

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की द्वारकापुरी पुलिस ने एक निजी स्कूल की महिला प्रिंसिपल की शिकायत पर उसके दोस्त पर मारपीट का केस दर्ज किया है। आरोपी और प्रिंसिपल की दोस्त एक सिंगिग एप से हुई थी। जिसके बाद दोनों 5 माह से एक साथ रह रहे थे। लेकिन बुधवार रात आरोपी ने महिला के घर में घुसकर मारपीट की और उसके पति को जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।द्वारकापुरी पुलिस ने निजी स्कूल की एक महिला प्रिंसिपल की शिकायत पर धीरज कुमार महतो पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। महिला प्रिंसिपल ने शिकायत में बताया कि 10 माह पहले धीरज कुमार महतो से सिंगिग एप के माध्यम से जान पहचान हुई। धीरज नौकरी के लिए बिहार से इंदौर आ गया। धीरज से बात करने पर महिला प्रिंसिपल के पति ने आपत्ति ली। तो महिला द्वारकापुरी इलाके में अलग से किराए का मकान लेकर धीरज के साथ रहने लगी। लेकिन तीन दिन पहले रविवार को वह वापस पति के पास आ गई। इसे लेकर धीरज भी महिला के घर पहुंचा और महिला के पति से घर में घुसकर झगड़ा करने लगा। धीरज देर रात करीब 3 बजे पीछे के गेट से घर में घुस गया। पति का बचाव करने आई महिला की गर्दन पकड़कर मारपीट की और जमीन पर घसीटा। इसके बाद पति को जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पुलिस को मंच से चेतावनी

टीआई साहब ध्यान रखना, मैं नशे के बहुत खिलाफ हूं...

इंदौर(एजेंसी)। इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय ने एक बार फिर

नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ़ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को चेतावनी दी है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि नए टीआई साहब ध्यान रखना जरा, मैं नशे के बहुत खिलाफ हूं। ये नशा करने वाले लोगों को उल्टा लटका देना। नशा बिल्कुल बंद होना चाहिए। उन्होंने आपत्तिजनक कपड़े पहनकर बाजार में घूम रही युवती के वायरल वीडियो को लेकर जिक्र करते हुए कहा कि ये मां अहिल्या की नगरी है। यहां ये सब नहीं चलेगा। बता दें कि विजयवर्गीय विधानसभा-1 के वार्ड 10 में सदस्यता अभियान के कार्यक्रम में पहुंचे थे, वहां उन्होंने यह बातें दोहराई।

आयशर की टक्कर से दो दोस्तों की मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के शिप्रा में बुधवार रात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक भाग गया। दोनों को रात में ही एमवाय अस्पताल भेजा गया। दोनों घर लौट रहे थे। शिप्रा पुलिस के मुताबिक घटना मांगलिया के पास की है। यहां पर गोपाल (45) पुत्र अमर गुजराती निवासी इंद्रा नगर और ईश्वर निवासी मांगलिया को रात करीब 9:30 बजे ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में दोनों को एमवाय भेजा गया। यहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक दोनों बिज्जू खेड़ी में एक मकान बना निर्माण का काम कर रहे थे। पुलिस ट्रक चालक की तलाश की कर रही है। परिवार के मुताबिक गोपाल और ईश्वर दोनों अच्छे दोस्त हैं।

सिटी बसों का बुरा हाल

छात्राएं बोलीं- ड्राइवर व कंडक्टर का बर्ताव ठीक नहीं, स्टॉप पर भी बस नहीं रोकते हैं

इंदौर (एजेंसी)। सिटी बसों की सुरक्षा के लिए एआई से निगरानी की तैयारी चल रही है। इसी बीच बुधवार को सिटी बसों में ड्राइवर और कंडक्टर के बर्ताव को लेकर शिकायत सीधे महापौर पुष्यमित्र भार्गव के पास पहुंची। इतना ही नहीं बस रोकने के लिए जो स्टॉप निर्धारित किए गए हैं, वहां भी सिटी बसें नहीं रोकी जा रही हैं।

इस पर गुस्साए महापौर ने तत्काल बस ऑपरेटर को बुलवाया। सीसीटीवी दिखाने के लिए कहा तो पता लगा कि सीसीटीवी बंद हैं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए ड्राइवर और कंडक्टर को तत्काल हटाने के लिए निर्देश एआईसीटीएसएल को दिए। सिटी बसों में बड़ी संख्या में स्कूल व कॉलेज की छात्राएं सफर करती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए महापौर ने कहा स्टाफ को चेतावनी दी कि महिला सुरक्षा में लापरवाही को बर्दाशत नहीं किया जाएगा।दरअसल सिटी बस ऑफिस से बुधवार दोपहर मीटिंग के बाद महापौर बाहर निकल रहे थे, तभी कुछ छात्राएं डरी-सहमी अपनी पीड़ा बताने पहुंची। वे जिस सिटी बस में सफर करती हैं, उसके कंडक्टर और ड्राइवर के बर्ताव को लेकर लिखित शिकायत की। छात्राओं ने उन्हें यह भी बताया कि मालव कन्या व आसपास के स्टॉप पर ड्राइवर बसें भी नहीं रोकते हैं। एन नंबर की सीरीज वाली बसों के बारे में कहा कि वह तेजी से दौड़ाते हैं। कुछ

बसों में तो कंडक्टर बदतमीजी करते हैं। शिकायत करो तो बाद में और ज्यादा परेशान करते हैं।

महिला सुरक्षा पर कोताही बर्दाशत नहीं

शिकायत के बाद महापौर ने सबसे पहले एआईसीटीएसएल से संदीप त्रिवेदी को तलब किया। उन्होंने बताया कि सिटी बस के ऑपरेशन चलो-बस सर्विस के माध्यम से होते हैं। फिर कंपनी के कर्मचारियों को बुलवाया। वहां से मैनेजर आई। महापौर बोले कि बसों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, उसके फुटेज बुलवाइए। इस पर मैनेजर ने कहा कि उस बस के कैमरे बंद हैं।कुछ तकनीकी दिक्कत थी। इस पर महापौर ने कहा कि महिला सुरक्षा के प्रति किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेंगे। जिस बस की छात्राएं शिकायत कर रही हैं, उसके ड्राइवर व कंडक्टर को तत्काल प्रभाव से हटाएं। मैनेजर ने उनकी तत्काल सेवाएं समाप्त कर दी।

बसों की निगरानी पर सख्ती कर रहे हैं

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि महिला सेफ्टी को लेकर हम काम कर रहे हैं। छात्राओं की शिकायत पर तुरंत स्टाफ को हटा दिया गया है। बसों में एआई के माध्यम से निगरानी रखेंगे।

कोर्ट का फैसला

अनफिट ट्राले की टक्कर से मौत, परिजन को ब्याज सहित मुआवजा देने के आदेश

इंदौर (एजेंसी)। बगैर परमिट और फिटनेस टेस्ट के दौड़ रहे ट्राले से युवक की मौत हो गई। युवक घर में कमाने वाला इकलौता था। मामला कोर्ट में पहुंचा। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद परिवार को 77 लाख 27 हजार रुपए मुआवजा देने के आदेश दिए। वहीं परिवाद दायर करने की तारीख से आदेश होने के दिन तक 6 फीसदी ब्याज देने के निर्देश बीमा कंपनी को दिए। युवक के परिजन ने अधिवक्ता राजेश खंडेलवाल के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय में परिवाद दायर किया था। खंडेलवाल के मुताबिक परिवाद में उल्लेख किया कि आशीष नामक युवक कार से निकला था। सामने से

आए ट्राले ने टक्कर मार दी थी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।कोर्ट को बताया था कि वह जिस फर्म में काम करता था, वहां उसकी तरक्की और वेतन बढ़ने के बहुत अवसर थे। वहीं आशीष की मौत होने से बच्चों की पढ़ाई, मां और पत्नी के समक्ष घर चलाने का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में लापरवाह ट्रक मालिक, उसके चालक और बीमा कंपनी से मुआवजा दिलाया जाना चाहिए। बीमा कंपनी ने परिवाद निरस्त करने की अपील की, लेकिन कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मुआवजा देने के आदेश जारी किए।

कोर्ट ने किया रहवासी सोसायटी का रजिस्ट्रेशन, अब होंगे चुनाव

राजेंद्र नगर स्थित रहवासी टाउनशिप में 10 महीने से रखरखाव की समस्या आ रही थी। चूंकि रहवासी सोसायटी का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ, इसलिए रखरखाव शुल्क से लेकर अन्य सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। रहवासी संघ ने अधिवक्ता पंकज खंडेलवाल के माध्यम से एसडीएम विनोद राठौर की कोर्ट में संस्था को पंजीबद्ध कराने के लिए आवेदन किया, जिसके बाद कोर्ट ने संस्था को रजिस्टर्ड कर दिया।मामला शिवधाम कॉलोनी स्थित आस्था रेसीडेंसी का है।

तिरुपति बालाजी प्रसाद विवाद को लेकर निकली यात्रा

स्वामी विष्णु प्रपन्नाचार्य महाराज बोले – चर्बी डालने वालों की चर्बी निकाल देंगे

इंदौर (एजेंसी)। तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में चर्बी मिलाने के मामले को लेकर बुधवार को ज्ञापन यात्रा निकाली गई। श्री लक्ष्मी वैंकटेश देव स्थान छत्रीबाग से दोपहर 4 बजे यात्रा अनंत श्री विभूषित श्रीमद् जगदगुरु रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामी विष्णु प्रपन्नाचार्य महाराज के सान्निध्य में निकली। इस दौरान उन्होंने कहा कि चर्बी डालने वालों की चर्बी निकाल देंगे। इंदौर के सभी व्यापारी संगठन सभी सामाजिक संगठन के साथ ही सभी राजनीतिक पार्टियों ने भी ज्ञापन यात्रा का समर्थन दिया। इंदौर शहर के प्राचीन तम देव स्थानों, उज्जैन से रंगनाथाचार्य

महाराज पुष्य मार्गी वाग्धीश बाबा, दिव्येश बाबा, गोकुलोत्सव, वीर बगीची के पवनानंद महाराज, दत्त माउली संस्थान के अण्णा महाराज, अन्नपूर्णा आश्रम के संत जयेंद्रानंद गिरि महाराज, रणजीत हनुमान मंदिर के पंडित दीपेश व्यास, खजराना गणेश मंदिर के पंडित अशोक भट्ट, हंसदास मठ के पं.पवन शर्मा, गजासीन शनि धाम के महामंडलेश्वर दादू महाराज व शहर के सभी बड़े देवस्थान के द्वारा भी अपने शिष्यों के साथ शामिल होने का आह्वान किया गया था। सभी संतों ने सोशल मीडिया के माध्यम से भक्त जनों से आने का आह्वान किया था। यात्रा के लिए बाहर से भी बड़ी संख्या में भक्त इंदौर पहुंचे। यात्रा के लिए युवाओं ने विभिन्न प्रकार के स्लोगन और नारे तैयार किए थे। यात्रा 4 बजे शुरू हुई। जो जयरामपुर चौराहा होते हुए कलेक्टर ऑफिस पहुंची।

आईआईटी इंदौर : रिसाइकल्ड प्लास्टिक से बनाया जियोग्रिड, सड़कें मजबूत करेगा

इंदौर (एजेंसी)। आईआईटी इंदौर और आईआईटी हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने ताजमहल की वास्तुकला और कछुए के खोल (कवच) पर उभरे पैटर्न से प्रेरित दो इको-फ्रेंडली जियोग्रिड विकसित किए हैं। ये बाजार में मौजूद जियोग्रिड से ज्यादा मजबूत हैं और रिसाइकल्ड प्लास्टिक से बने होने के कारण पर्यावरण के अनुकूल भी हैं।सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें फ्लेक्सिबल फुटपाथ और हाइवे निर्माण शामिल है। ये एयरपोर्ट के रनवे और रेलवे ट्रैक बेड को भी बेहतर बना सकते हैं। साथ ही टनल के निर्माण और अंडरग्राउंड माइनिंग के लिए भी ये बेहद उपयोगी हो सकते हैं। फाउंडेशन, तटबंधों और ढलानों को मजबूत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रिटेनिंग वाल के निर्माण में, पुल और नदी के किनारों की सुरक्षा में भी बड़े महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। यही खासियत इन्हें सस्टेनेबल सिविल इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। टीम ने इसके पेटेंट के लिए भी

आवेदन दे दिया है। इंदौर से डॉ. बाडिगा रामू शोध का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके साथ हैं बीएस प्रवीण (डॉक्टरल स्कॉलर) और पी साई मेघना।

टिकाऊ विकास की तकनीक

ट्टयह तकनीकी विकास संयुक्त राष्ट के स्थायी विकास लक्ष्यों के अनुरूप है। यह नई तकनीक जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और कचरा प्रबंधन के मुद्दों का समाधान करेगी।

– प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर

40 मजदूरों को पुलिस ने बर्बरता से पीटा, 24 घंटे बाद भी खड़े नहीं हो पा रहे

बीएसएफ की गोली से युवक की मौत का मामला

इंदौर (एजेंसी)। बाणगंगा के बरदरी गांव में एक इमारत के सुपरवाइजर बलराम सिंह की रेवती रेंज क्षेत्र में मंगलवार को बीएसएफ की गोली से हुई मौत को पुलिस ने हत्या मान लिया था। घर निर्माण के दौरान सुपरवाइजर के संपर्क में रहे करीब 40 से ज्यादा मजदूरों को पुलिस ने वहीं रोककर बुरी तरह पीटा। उन्हें एक साथ मुर्गा बनाया। मुर्गा बनने के दौरान भी लठ्ठ चलाए। कुछ मजदूरों को तो इतनी बर्बरता से पीटा कि वे अगले दिन भी अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पा रहे थे। इतना ही नहीं, महिला पुलिस ने भी मजदूरों की पत्नियों से जमकर मारपीट की जैसे वे बड़े अपराधी हों।

पिटाई से घायल मजदूर श्रीनिवास प्रजापत ने बताया कि पुलिस ने आते ही हमें अपराधियों की तरह मारना शुरू कर दिया। पाइप के लठ चलाते हुए वे बार-बार पूछते रहे कि गोली किसने चलाई? ज्यादातर मजदूर तो यह समझ ही नहीं पा रहे थे कि उन्हें पीटा क्यों जा रहा है। मजदूर अजय मकवाना ने बताया कि हमारे पांव, हिप्स, पिंडलियों, पीठ पर गालियां देते हुए बेहिसाब डंडे बरसाए गए। वहीं गोविंद जाधव ने बताया कि मेरे समेत कई मजदूर पिटाई से बेहोश जैसे होकर गिर पड़े थे। इसके बाद भी पुलिस लठ मारती रही। हमें कुछ पता होता तो बताते।

हमें पिटते देखकर बच्चे भी रोते रहे

पिटाई से घायल चमेली बाई ने बताया कि घटना के बाद पुलिस आई तो काम बंद था। मेरे समेत कई महिलाओं के पास बच्चे थे। महिला पुलिस भी आई हुई थी। उन्होंने हमारी गोदी से बच्चों को छीनकर अलग बिठाया फिर महिला मजदूरों को पीटने लगे। हमारे बच्चे हमें पिटते देख रो रहे थे, वे मासूम समझ ही नहीं पा रहे थे कि उनके माता-पिता को पुलिस क्यों मार रही है।

मैं अस्पताल में था – साइट इंजीनियर

साइट इंजीनियर लखन अहीरवार ने बताया कि वहां जाने से पहले सुपरवाइजर से मेरी बात हुई थी। उस वक्त मैं हॉस्पिटल में था। बलराम ने कहा था तुम परेशान मत होना, ठीक से इलाज कराओ। कुछ देर बाद एक मजदूर का फोन आया कि बलराम को गोली लग गई। हममें से कोई समझ नहीं सका कि घटना कैसे हुई।

सिविल नोटिफिकेशन 2022 में हुआ है

हर फायरिंग रेंज का 10 साल में एक बार नोटिफिकेशन होता है। इसमें संबंधित राज्य की प्रशासनिक टीम वहां की रेंज, जमीन, जनता की दूरी जैसे मापदंड पर रिपोर्ट तैयार करती है। रेवती रेंज में अक्टूबर 2022 में सिविल नोटिफिकेशन किया गया है।

एक हजार रहवासियों में है खौफ कायम

पूर्व सरपंच अनुपमा ठाकुर ने बताया कि गांव में 200 घर हैं। इनमें लगभग 1 हजार ग्रामीण रहते हैं। यहां हर कोई खौफजदा है। पूरे गांव में डर का माहौल है। बच्चों को खेलने बाहर और छत पर जाने से मना कर दिया गया है। रेवती रेंज से रिहायशी इलाके में गोली आना आश्चर्य की बात है।

हत्या या गैर इरादतन हत्या का केस होगा

डीसीपी हंसराज सिंह मीना ने बताया कि मृतक के परिजन के बयान बाद हत्या और गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करेंगे। बलराम की किसी से रंजिश नहीं थी। गोली को जांच के लिए भेजेंगे।

संपादकीय

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सही फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने देश में चाइल्ड पोर्नोग्राफी की बढ़ती लत के मद्देनजर मद्रास हाई कोर्ट का फैसला पलटकर चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखने और डाउनलोड करने को आईटी और पॉस्को एक्ट के तहत अपराध ठहराकर सही और सामयिक फैसला दिया है। विगत सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं है, जब तक कि नीयत इसे प्रसारित करने की न हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कंटेंट का स्टोरेज, इसे डिलीट ना करना और इसकी शिकायत ना करना बताता है कि इसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है। सुको ने साफ कहा कि हाईकोर्ट ने ये केस खारिज करके अपने फैसले में गंभीर गलती की है। हम उसका फैसला रद्द कर केस को वापस सेशन कोर्ट भेजते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बन्ध में अहम सुझाव भी दिए। कोर्ट ने संसद से कहा कि वह पॉस्को एक्ट में बदलाव करे और चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्शुअली एब्यूसिव एंड एक्सप्लॉइटेटिव मटेरियल (सीएसईएम) का इस्तेमाल किया जाए। इसके लिए अध्यादेश भी लाया जा सकता है। सीएसईएम शब्द सही तरीके से बताएगा कि यह महज अश्लील कंटेंट नहीं, बच्चे के साथ हुई घटना का एक रिकॉर्ड है। वो घटना जिसमें बच्चे का यौन शोषण हुआ या फिर ऐसे शोषण को विजुअली दिखाया गया हो। दरसअल बच्चों के खिलाफ अपराध सिर्फ यौन शोषण तक ही सीमित नहीं रहते हैं। उनके वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिए ये शोषण आगे भी चलता है। ये कंटेंट साइबर स्पेस में मौजूद रहते हैं और आसानी से किसी को भी मिल जाते हैं। ऐसी सामग्री अनिश्चितकाल तक नुकसान पहुंचाती है। यह मामला यौन शोषण पर ही खत्म नहीं होता। जब-जब ये कंटेंट शेयर किया जाता है और देखा जाता है, तब-तब बच्चे की मर्यादा और अधिकारों का उल्लंघन होता है। कोर्ट ने कहा कि हमें एक समाज के तौर पर गंभीरता से इस विषय पर विचार करना होगा। गौरतलब है कि पिछले दिनों केरल हाईकोर्ट ने भी मद्रास हाई कोर्ट जैसा फैसला सुनाया था। केरल हाईकोर्ट ने 13 सितंबर 2023 को कहा था कि अगर कोई व्यक्ति अश्लील फोटो या वीडियो देख रहा है तो यह अपराध नहीं है, लेकिन अगर दूसरे को दिखा रहा है तो यह गैरकानूनी होगा। इसी फैसले के आधार पर मद्रास हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को एक आरोपी को दोषमुक्त कर दिया था। हाई कोर्ट के इस फैसले के एनजीओ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और नई दिल्ली के बचपन बचाओ आंदोलन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। एनजीओ का कहना था कि हाईकोर्ट का आदेश चाइल्ड पोर्नोग्राफी को बढ़ावा दे सकता है। फैसले से ऐसा लगेगा कि ऐसा कंटेंट डाउनलोड करने और रखने वाले लोगों पर मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। ध्यान रहे कि भारत में ऑनलाइन पोर्न देखना गैर-कानूनी नहीं है, लेकिन आईटी एक्ट 2000 में पोर्न वीडियो बनाने, पब्लिश करने और प्रसारित करने पर बैन है। इस कानून की धारा 67 और 67ए में इस तरह के अपराध करने वालों को 3 साल की जेल के साथ 5 लाख तक जुर्माना देने का भी प्रावधान है। लेकिन हाल के वर्षों में इंटरनेट पर इस तरह की अश्लील सामग्री आसानी से उपलब्ध होने के कारण मासूम बच्चों के यौन शोषण की घटनाएं बहुत ज्यादा बढ़ी हैं। खासकर कोरोना के बाद। चाइल्ड पोर्नोग्राफी अत्यंत घृणित अपराध है। इस पर रोक के लिए सख्त कानून के साथ सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट चाइल्ड पोर्नोग्राफी को गंभीर अपराध बताकर सही फैसला किया है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

जरूरी है देश में भिक्षावृत्ति से मुक्ति

आज जब आमतौर पर चकाचौंध से भरी तेज़ रफ़्तार वाली ज़िन्दगी शहरी संस्कृति में बलती जा रही है. रंग-बिरंगी रौशनी से सराबोर इस संस्कृति के लोग लज़ीज़ भोजन परोसने वाले बहुत से रैस्तराँ, महंगी कारों और आनंद की क़तारों में खड़े हैं. संस्कृति फ़ैशन में सिमटने लगी है तो वहीं झुग्गी-झोपड़ियाँ अपने गरीब और भुखमरी की आबादी लिए खड़ी हैं. भारतीय आबादी का एक ऐसा भी हिस्सा है जो लगभग देश को चिढ़ा रहा है. आदिवासी जंगल में शहद व दूसरे औषधीय सामग्रियों के साथ ठगे जा रहे हैं. गरीबी का जीवन जी रहे हैं. वस्तुतः यह सारे लोग भारत के विकासशील से विकसित होने की बात पर प्रश्नचिन्ह हैं. हिंदुस्तान की स्थिति जब आज़ादी मिली थी, वह कुछ और थी. भारी संख्या में आये शरणार्थी लोगों के जीवन की दुर्दशा कुछ भी करने के लिए मजबूर कर रही थी. अब आज़ादी के 75 वर्ष बाद जिन वर्षों को हमने अमृतकाल कहा, उसके बाद के वर्ष में यदि भारत के राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और मानवतावादियों की चिंता भिखारीजन बने हुए हैं, तो यह एक चुनौती नहीं है हमारे देश के लिए तो और क्या है?

भारत में बढ़ती भिक्षावृत्ति चिंताजनक अवस्था में पहुँच चुकी है. भिक्षावृत्ति के पीछे गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा, बीमारी, सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन आदि वजहें हैं. निःशक्त लोगों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों का आज भीख मांगने के नाम पर या भीख मंगवाकर भयानक शोषण हो रहा है. देश में गरीबी को भिक्षावृत्ति का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है. आर्थिक रूप से कमजोर लोगों में गरीबी के साथ भुखमरी की समस्या जुड़ी होती है, तो गरीबी और भुखमरी अलग-अलग करके आज नहीं देखी जा सकती. संयुक्त राष्ट्र-एफएओ के 2024 के ही आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में 733 मिलियन लोग जो की भुखमरी का सामना कर रहे हैं, उन पर संयुक्त राष्ट्र चिंतित है. सबसे अहम् बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य के 17 एजेंडे हैं, उसमें गरीबी और भुखमरी को शून्य करने का लक्ष्य प्रमुख प्रथम दो लक्ष्यों में सम्मिलित है. ऐसे में, लोग जो भिक्षावृत्ति से अपने जीवन-यापन कर रहे हैं उनकी संख्या भारत में लाखों में है, यह बड़ा सवाल है. भिक्षावृत्ति को एकमात्र आय का स्रोत बना रहे लोगों में वास्तविक भिखारी और प्रोफेशनल लोगों द्वारा तैयार किये जा रहे भिखारी आज देश की चिंता के कारण बनते जा रहे हैं. देश का राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग इस समय भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहा है. एनएचआरसी, भारत ने भिक्षावृत्ति को रोकने और भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए चिंतित है. आयोग भारतीय भिखारियों के डेटाबेस को लेकर केवल चिंतित नहीं है अपितु उसकी मंशा है कि भारत के लोग भीख मांग रहे लोगों को इस दलदल से निकालें. निःसंदेह एनएचआरसी की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती विजया भारती सयानी और महासचिव भरतलाल के इनिशिएटिव की प्रशंसा की जानी चाहिए क्योंकि वे यह चाहते हैं कि देश को इस अफसोसजनक समस्या से निजात दिलाया जाए.

मुझे याद आ रहे हैं वे उन दिन जब सुबह हल्की धूप व ओस के साथ छोटे छोटे मुस्लिम परिवार के बच्चे भैरवबाबा मंदिर पर अपने चंगेली व कुछ फटे-पुराने कपड़ों वाले लिवास में भीख मांगने निकल जाते थे. यह एक बच्चों की झुण्ड होता था जो स्मृतियों में बना हुआ है. सड़कों पर घूमते हुए मुस्लिम समाज लोगों के बच्चे से जब पूछा था उन दिनों की तुम सब कहाँ जा रहे हो तो वे यही बोले थे- मांगने. वे भीख मांगने के लिए भैरव बाबा के स्थान पर जा रहे थे. ये बच्चे पखिया समाज के थे. पखिया लोगों का 30 परिवार आज भी पैकौली गाँव में रहता है. सबसे बड़ी बात यह कि इनके माँ-पिता का भीख मांगने के लिए सहमति ही नहीं होती थी अपितु इन्हें तो जबरन इस काम के लिए भेजा जाता था. इनके पढ़ाई के लिए मौलवी की व्यस्था करना व इन्हें इस काम से मुक्त कराना हमारे लिए मुख्य चिंता हो गई थी. दुखद यह है कि आज भी ऐसे बच्चे भीख मांगते हुए हमें रेलवे स्टेशनों, मंदिरों, मेलों, दुकानों और शहरी इलाकों में मिलते हैं. आज जब भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की सिफारिश किया है कि भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाया जाए तो मुझे वह पुरानी यादें ताजा हो आई हैं. कदाचित यही लगता है कि वर्षों बाद भी स्थितियां बदली नहीं हैं. आयोग का यह बड़ा साहस ही है कि वह भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश कर रहा है जिससे लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण, रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने व क्रियान्वित करने का उसका अब लक्ष्य बन गया है. आयोग चाहता है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू हो. संगठित या जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त हो. आयोग का सुझाव आया है कि भिखारियों की अधिकता वाले क्षेत्रों की पहचान और मानचित्रण किया जाये, व्यापक डेटाबेस बनाने के लिए भिखारियों का सर्वेक्षण किया जाए, राज्य सरकारें सभी भिखारियों को आधार कार्ड जारी करने की दिशा में काम करें जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और लाभों की पहुँच में आसानी बन सके. आयोग की मंसा स्पष्ट है कि भिक्षावृत्ति को अपराध से मुक्त किया जाना चाहिए, क्योंकि दंडात्मक उपायों और पुनर्वास प्रयासों को प्रभावी ढंग से जोड़ा नहीं जा सकता, भिखारियों का समरूप समूह नहीं हैं, इसलिए, उनके लिए पहल उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जानी चाहिए.

सुझाव के इस अहम हिस्से को यदि भारत की राज्य सरकारें मानें तो मूलभूत परिवर्तन आने वाले समय में दिख सकता है. जैसा कि एनएचआरसी की कार्यवाहक अध्यक्ष, श्रीमती विजया भारती सयानी ने कहा भी कि आर्थिक प्रगति और कई सरकारी पहलों के बावजूद भिक्षावृत्ति का निरंतर जारी रहना देश में गहरी सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दर्शाती है और साथ ही महासचिव, श्री भरत लाल की इच्छाशक्ति से निकले आशा भरे शब्द हैं कि यदि देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिल सकता है, तो भिक्षावृत्ति में लिप्त लगभग 4 लाख व्यक्तियों का पुनर्वास भी मुश्किल नहीं होना चाहिये. ये दोनों वक्तव्य हमारे देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं. चिंताओं के साथ आशाएं जो इन वक्तव्यों से निकली हैं, वह चैन की सांस लेने के लिए काफी हैं. राज्य सरकारें और राज्य मानव अधिकार आयोग भी इस भीख-मुक्ति का संकल्प लेकर आगे बढ़ें तो निःसंदेह भारत भिखारियों व भिखारियों की समस्या से निजात पा लेगा.

भिक्षावृत्ति पर निर्भर समाज से मुक्ति के बाद ही भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँच सकता है, इसे भी अब स्वीकार करने की आवाश्यकता है. इसके लिए देश भर में बच्चों, स्त्रियों, अपंगों द्वारा भिक्षावृत्ति के काम में लगे लोगों को चिन्हित करना सरकारों की पहली जिम्मेदारी है. जो बच्चे भिक्षावृत्ति के शिकार हैं, जो बच्चियां व स्त्रियाँ इस काम लगी हैं या जो वृद्धजन अपंग लोग भिक्षावृत्ति के काम में लगे व लगाए गए हैं, वे नहीं चाहते की उन्हें भीख माँगना पड़े. भिक्षा मांगने वालों में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बीमारी, चोट, अपंगता, एक्सीडेंट में घायल हुए हैं वे बहाना बनाकर, अपनी लाचारी दिखाकर भिक्षा मांगते हैं. इसके अलावा कुछ संगठित गिरोह जो पैसों के लालच में गरीबों और लाचारों से जबरदस्ती भीख मंगवाते हैं, उनका यदि चिन्हीकरण कर लिया जाये तो इसमें कमी आ सकती है. सामाजिक-आर्थिक असमानताओं की दुहाई देते संगठन व सरकारें बेबस लगते हैं जब महिलाएँ, बच्चे, ट्रांसजेंडर और बुज़ुर्ग भीख मांगने में शामिल हुए मिलते हैं या जीवनयापन के लिए भीख माँगने को मजबूर दिखते हैं।

विजया भारती सयानी चाहती हैं कि सम्मान, आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर पड़े व्यक्तियों के हितों पर बात हो, भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास की बात हो तो उसे आज से ही अमल में लाने की आवश्यकता है. यदि समय रहते भिक्षावृत्ति से मुक्ति के उपाय देश कर ले तो न कोई हमारे देश में भिखारी होगा न भीख मांगने वालों पर लगने वाले आपराधिक लांक्षन होंगे. अब देखना यह है कि राज्य सरकारें, सेवाभावी संगठन, भीख जैसी समस्या से मुक्ति चाहने वाले लोग इस दिशा में कितना सक्रिय होकर इसे मिटाने का यत्न करते हैं. यह समझना होगा कि यह काम केवल राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का नहीं है अपितु पूरे देश के सामूहिक चेतना व नागरिकों की गंभीरता का भी है.

विश्व रंग

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

श्रीलंका में हरिणी और अनुरा की जुगलबंदी का दौर

अनुरा और हरिणी में सबसे बड़ा साम्य यह है कि दोनों ही के लिये सामाजिक सरोकार और वैचारिक प्रतिबद्धता मायने रखती है। अनुरा जहाँ स्पष्ट वामपंथी रूझान के लिये जाने जाते हैं वहीं हरिणी का भी झुकाव वाम की ओर है। दोनों की एक और समानता यह है कि दोनों ही आंदोलनों की आंच में तपकर सर्वोच्च पदों तक पहुंचे हैं। छह मार्च, सन 1970 को जनमी हरिणी अकादेमीशियन और महिला व बाल अधिकारों की पैरोकार हैं। इंग्लैंड के एडिनबरा विश्वविद्यालय से सामाजिक नृ- विज्ञान में पीएचडी हरिणी मुक्त विश्वविद्यालय, कोलंबो में वरिष्ठ व्याख्याता रहीं और उन्होंने बच्चों को निश्शुल्क शिक्षा के लिये आंदोलन में शिरकत की। सन् 2011 में वह शिक्षक संघों के नेशनल फेडरेशन से जुड़ीं।

पड़ोसी द्वीप राष्ट्र श्रीलंका की राजनीति अब नये युग में प्रवेश कर गयी है। 55 वर्षीय अनुरा कुमारा दिसानायके अब निर्वाचित राष्ट्रपति हैं और उनसे वय में एक वर्ष छोटी सुश्री हरिणी अमरसूर्या देश की प्रधानमंत्री। सुश्री हरिणी सिरियावो भंडारनायके और चंद्रिका कुमारतुंगा के बाद देश की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं। अनुरा और हरिणी में सबसे बड़ा साम्य यह है कि दोनों ही के लिये सामाजिक सरोकार और वैचारिक प्रतिबद्धता मायने रखती है। अनुरा जहाँ स्पष्ट वामपंथी रूझान के लिये जाने जाते हैं वहीं हरिणी का भी झुकाव वाम की ओर है। दोनों की एक और समानता यह है कि दोनों ही आंदोलनों की आंच में तपकर सर्वोच्च पदों तक पहुंचे हैं। छह मार्च, सन 1970 को जनमी हरिणी अकादेमीशियन और महिला व बाल अधिकारों की पैरोकार हैं। इंग्लैंड के एडिनबरा विश्वविद्यालय से सामाजिक नृ- विज्ञान में पीएचडी हरिणी मुक्त विश्वविद्यालय, कोलंबो में वरिष्ठ व्याख्याता रहीं और उन्होंने बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के लिये आंदोलन में शिरकत की। सन् 2011 में वह शिक्षक संघों के नेशनल फेडरेशन से जुड़ीं। सन् 2009 में राष्ट्रपति पद के लिए संपन्न चुनाव में उन्हेंनि जन विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के प्रत्याशी अनुरा कुमारा दिसानायके के लिये प्रचार किया। अगले ही वर्ष वह अगस्त में राष्ट्रीय सूची के तहत संसद के लिए नामित हुई।

सुश्री हरिणी, वाम-सोच की उदारवादी नेत्री के तौर पर जानी जाती हैं। वह बेरोजगारी, लैंगिक असमानता, बाल - संरक्षण और शैक्षिक प्रणाली में सुधार पर शोध के लिए ज्ञात और ख्यात हैं। श्रीलंका के 16वें प्रधानमंत्री में तौर पर उन्होंने दिनेश गुणवर्धने का स्थान लिया है। वह वैदेशिक मामले भी देखेंगे। तय है कि भारत के विदेश

मंत्री जयशंकर से उनकी जल्द ही मुलाकात व वार्ता होगी। श्रीलंका अपने इतिहास के नाजुक दौर से गुजर रहा है। उसके समक्ष वित्तीय संकट से उबरने के साथ-साथ चीन के विस्तारवादी और नव-औपनिवेशक विस्तार का खतरा भी है और देश की एकता और सार्वभौमिकता को बचाते हुए प्रगति के चुनौती भी। गौरतलब है कि अनुरा को तमिल मतदाताओं का अधिक समर्थन नहीं मिला है। श्रीलंका की लगभग 11 प्रतिशत आबादी तमिल मूल की है। बहरहाल, ऐतिहासिक छन्दय (चुनाव) के बाद अब सबकी नजरें राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और प्रधानमंत्री हरिणी अमर सूर्या की सियासी जुगलबंदी और उसके परिणामों पर रहेंगी।

क्रूर सफलता, मानसिक स्वास्थ्य और वर्क-लाइफ बैलेंस का संघर्ष

पूंजीवाद की अंधी दौड़

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी
वरिष्ठ मनोचिकित्सक
मनोवैज्ञानिक विश्लेषक

पूंजीवाद के तेज़ी से बढ़ते प्रभाव ने समाज को प्रतिस्पर्धात्मक और अत्यधिक परिणाम-केन्द्रित बना दिया है, जिससे आर्थिक सफलता और सामाजिक मान्यता प्राप्त करना युवाओं की प्राथमिकता बन गई है। इस दौर में, मानसिक स्वास्थ्य, वर्क-लाइफ बैलेंस, और व्यक्तिगत सुख की अनदेखी एक बड़ी चुनौती बन गई है। हाल के उदाहरणों से स्पष्ट है कि करियर और आर्थिक दबाव के कारण मानसिक तनाव, अवसाद, और आत्महत्या जैसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है।

पूंजीवादी समाज में प्रतिस्पर्धा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि युवाओं पर खुद को निरंतर साबित करने का दबाव बना रहता है। शिक्षा से लेकर करियर तक, हर स्तर पर उनसे उत्कृष्टता की अपेक्षा की जाती है। सोशल मीडिया ने भी इस स्थिति को और विकट बना दिया है, जहाँ लोग अपनी जीवनशैली और उपलब्धियों का प्रदर्शन करते हैं, और इससे युवा अपनी असफलताओं की तुलना करते हुए मानसिक रूप से और अधिक दबाव में आ जाते हैं।

वर्क-लाइफ बैलेंस की कमी इस समस्या को और भी गंभीर बना रही है। काम के लंबे घंटे, निजी जीवन के लिए समय का अभाव, और निरंतर कार्यस्थल की अपेक्षाओं ने युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से थका दिया है। इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी और मानसिक बीमारियों को लेकर समाज में फैले कलंक के कारण लोग अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने से कतराते हैं।

इसका समाधान यही है कि समाज मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे। शिक्षा संस्थानों, कार्यस्थलों, और परिवारों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए वर्क-लाइफ बैलेंस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

युवाओं के लिए यह आवश्यक है कि सफलता की परिभाषा केवल धन या पद तक सीमित न हो, बल्कि मानसिक शांति और व्यक्तिगत खुशी भी इसमें शामिल हो। समाज, परिवार और कार्यस्थल को मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए, ताकि आने वाले भविष्य में युवाओं को मानसिक समस्याओं से बचाया जा सके।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं।

चुनाव की नाव पर सवार 'भूत'

आम आदमी भविष्य की चिंता में डूबा है। वैसे चिंता और आम आदमी का चोली-दामन का साथ है, जो चिंता न करे तो वह आम आदमी ही कैसा? भविष्य को लेकर वह चिंता लेकर सोता है और उठता है। घोर नींद में वह सुनहरे भविष्य के सपनों में खो रहता है। इसमें वह खुद के साथ देश को आत्मनिर्भर देखता है।

यह भी निर्विवाद है कि केवल 'सपने' ही उसके 'अपने' हैं। बाकी तो सब तो माया,वादे हैं, दावे हैं। आम नामक आदमी अपने भूत की चिंता नहीं करता, क्योंकि 'भूत' डरावना होता है। जब भी कोई उसको भूत काल का स्मरण करवाता है तो वह डर से थर्रा उठता है। वैसे चिंता के साथ डरना भी उसकी ही नियति है, क्योंकि वह आम आदमी है।

आम आदमी भी अपने भूत के प्रभाव को कम करने के लिए रोज हनुमान मंदिर जाकर चमेली के तेल का दीपक लगाता है और प्रार्थना में सुखद भविष्य के लिए कामनाओं की झड़ी लगा देता है। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते देश में फिर से चुनावी बयार छा गई। इस चुनाव में पहले की भांति जाति, पाति, आरक्षण आदि प्रचार के हथियार कम मारक क्षमता के साबित हो रहे हैं। इसलिए भूतों को स्टार प्रचारक बनाकर चुनाव की नाव को खेने के लिए पतवार पकड़ा दी गई है। पार्टियों में भूत होने की जानकारी के रूप में एक दिव्य तांत्रिक ने शानदार पुष्टि करी है। तांत्रिक जानता है कि देश में आम जनता को डरा-धमकाकर अपना स्वार्थ सिद्ध किया जा सकता है। डर वह अस्त्र है, जिससे किसी को भी परास्त किया जा सकता है। डर भूत का तो सबसे अधिक प्रभावशाली है। आम आदमी सांप, बिच्छु, कीट आदि से तो निपट ले, लेकिन भूत सामने आते ही उसकी घिग्घी बंध जाती है। इस जनता को भूतों का डर बताना जरूरी और समयानुकूल हो गया होगा।

तांत्रिक ये नहीं जानता कि जो भूत पार्टी में घुस आए हैं वे कथित बड़ी पार्टी में भी हैं, लेकिन फरक सिर्फ इतना है कि वे 'भूत' अपनी भूत योनि त्यागकर देवत्व को प्राप्त हो चुके हैं। तांत्रिक को दिव्य दृष्टि मिली हुई है, इसलिए उसे दूसरे दलों में भूत ही भूत नजर आ रहे हैं। वह डरा हुआ है, लेकिन आम जनता को सावधान कर रहा है कि ये भूत उनका ही नुकसान करने के लिए आए हुए हैं।

भूत, भविष्य और वर्तमान काल का सीधा-सीधा संबंध जनता से है। लोग केवल भविष्य में जीते हैं और वर्तमान को इग्नोर करते हैं। भूत के बारे में तो बाहर तो बाहर घरों में भी चर्चा नहीं करते। अब चूंकि पार्टियों में भूत घुस गए हैं तो आम जनता भी इन भूतों के बारे में गूगल कर रहे हैं। फिर भी उन्हें कुछ हासिल नहीं हो रहा है, क्योंकि भूत, प्रेत और पलीत अदृश्य होते हैं। जो अदृश्य हैं वे किसी का क्या नुकसान कर सकते हैं? लगता है कि अब इस देश पर भूत ही राज करने वाले हैं। भूतों की शक्ति का अंदाजा लगा पाना हर किसी के बस में नहीं है। वैसे भी श्राद्ध पक्ष में इनकी शक्ति दुगनी हो जाती है। लगता तो यह भी है कि आम जनता को कन्फ्यूज करने के लिए कथित भूतों का प्रादुर्भाव हुआ है तो ज्ञानी लोग अपने चक्षु बंद कर यह देखने में लगे हैं कि यह पहले चुनाव हैं जो 'भूतों न भविष्यति' की तर्ज पर हो रहे हैं और आम जनता इस चुनावी मावठे में सजीले सपने सजाकर अपने भविष्य का महल खड़ा कर रहे हैं और तांत्रिक 'भूत-भूत' चिल्ला रहा है। भूत भगाने के लिए आम जनता की खोपड़ी तलाशी जा रही है। जिसे सिद्ध कर अपने स्वहित साधे जा सकें।

सांस्कृतिक अभ्युदय का पीएम मोदी का स्वप्न पूरा करता एमपी पर्यटन

पर्यटन दिवस पर विशेष

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मध्यप्रदेश शासन पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पर्यटन और सांस्कृतिक अभ्युदय का नया इतिहास लिखा जा रहा है। पौराणिक काल से ही देश में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सनातन परम्परा के गौरव को संरक्षित करने और सहेजने की परम्परा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। भारत में पर्यटन को एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र के रूप में देखा गया है। उनका मानना है कि पर्यटन न केवल आर्थिक लाभ प्रदान करता है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का एक सशक्त साधन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली है।

भारत के इतिहास में विभिन्न देशों की खोज, वास्तुकला, तकनीक, साहित्य और कृषि आदि क्षेत्रों में वैचारिक आदान प्रदान का केंद्र बिंदु पर्यटन भी रहा है। इसी तरह पर्यटन ने वैश्विक शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन लोगों को विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं से रूबरू कराता है, जिससे सहिष्णुता और समझदारी बढ़ती है। जब लोग एक-दूसरे के जीवन और रीति-रिवाजों को समझते हैं, तो उनके बीच संघर्ष की संभावना कम हो जाती है। पर्यटन के माध्यम से लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता है, जिससे वैश्विक समुदाय का निर्माण होता है। जो अंततः वैश्विक शांति को बढ़ावा देता है।

विश्व पर्यटन दिवस, जिसे हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है, का उद्देश्य पर्यटन के महत्व और उसकी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक भूमिका को पहचानना है। वर्ष 2024 की थीम 'पर्यटन और शांति' एक अत्यंत महत्वपूर्ण विचारधारा को दर्शाती है, जिसमें पर्यटन को शांति और सद्भाव का एक माध्यम माना गया है। पर्यटन वैश्विक स्तर पर शांतिपूर्ण संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जब लोग विभिन्न देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ संपर्क में आते हैं, तो यह समावेशिता और सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करता है। इसके साथ ही, जब पर्यटन एक क्षेत्र में बढ़ता है, तो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं और उनका जीवन स्तर सुधरता है, जिससे संघर्ष और

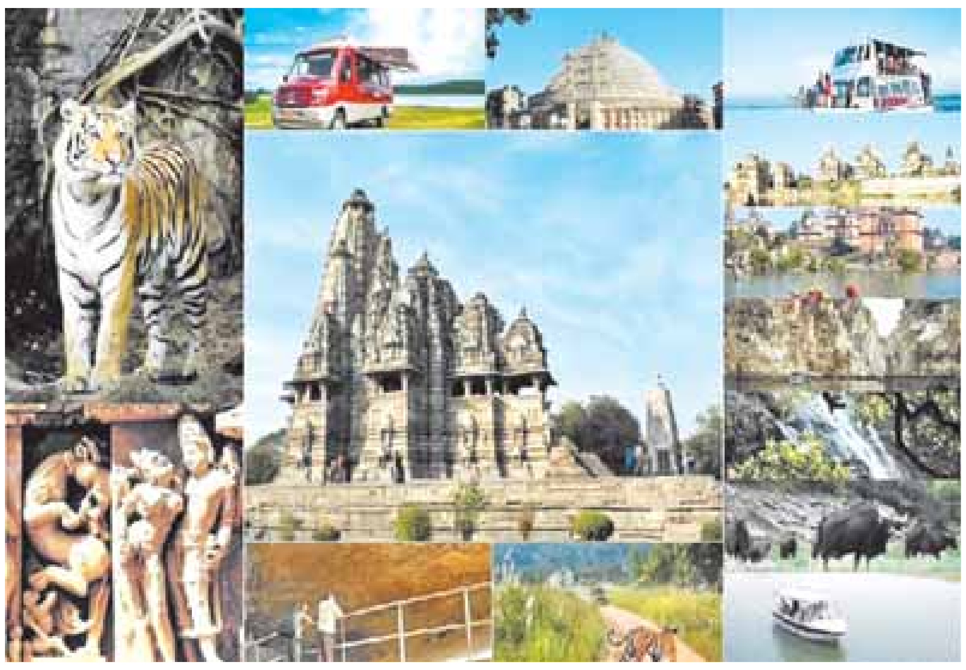

असमानता कम होती है। यह संपूर्ण प्रक्रिया अंततः शांति और समृद्धि को बढ़ावा देती है।

अतुल्य भारत का हृदय मध्यप्रदेश एक बहुविध गंतव्य होने के साथ-साथ नैसर्गिक समृद्ध वन्य जीवन, प्राचीन समृद्ध विरासत, विविध जीवंत संस्कृति का प्रदेश है। लगभग 112.1 मिलियन पर्यटक आगमन के साथ वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश ने एक नया पर्यटन रिकॉर्ड स्थापित किया है जो वर्ष 2022 में 34.1 मिलियन आगंतुकों की संख्या से तीन गुना है। भारत में सबसे ज़्यादा 785 बाघों के साथ मध्यप्रदेश देश का चीता, घड़ियाल, तेंदुआ और गिद्ध की अधिक संख्या वाला प्रदेश भी है। मध्यप्रदेश 12 राष्ट्रीय उद्यानों का घर है जो प्राकृतिक लुभावने परिदृश्य और विविध वन्यजीव के लिए जाने जाते है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 50 से अधिक अभ्यारण्य और प्राकृतिक दृष्टि से रमणीय स्थल विद्यमान हैं।

मध्यप्रदेश पुरातत्व और भूगर्भीय चमत्कारों का राज्य है। इतिहास और संस्कृति से भरे खजाने में 14 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। मध्यप्रदेश में बौद्ध तीर्थ स्थल सांची स्तूप, स्थापत्य कला का अद्वितीय नमूना खजुराहो मंदिर और प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों का खजाना 'भीमबेटका रॉक शेल्टर' यूनेस्को की स्थायी सूची में शामिल हैं। यूनेस्को की अस्थाई सूची में ग्वालियर किला, धमनार रॉक-कट गुफाएं, भोजेश्वर महादेव मंदिर, चंबल घाटी रॉक कला, खूनी भंडारा-बुरहानपुर, रामनगर और मंडला गोंड स्थल, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, भेड़ाघाट - लम्हेटा घाट, ओरछा, मांडू और भारत का कपड़ा समूह - चंदेरी शामिल हैं।

अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए गांधी सागर महोत्सव, जल महोत्सव, चंदेरी महोत्सव और कुनो वन महोत्सव शुरू किए गए हैं। जिसमें ऑल सीजन टेंट सिटी स्थापित किए गए हैं। यहां पर्यटक स्काईडाइविंग, हॉट एयर बैलूनिंग, पैरामोटरिंग, रिवर राफ्टिंग से लेकर ज़मीन, पानी और हवा पर आधारित साहसिक गतिविधियों का अनुभव कर सकते है।

विश्व प्रसिद्ध चंदेरी साड़ी के जन्मस्थल प्राणपुर को भारत के पहले हथकरघा शिल्प गांव में बदला जा रहा है। यह ऐतिहासिक शहर अपनी सदियों पुरानी हथकरघा बुनाई परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। प्रदेश में पर्यटकों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा अंतर राज्यीय वायु सेवा शुरू की गई है।

मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश में गहन आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन के प्रामाणिक अनुभव विकसित किए गए है। दो दिव्य ज्योतिर्लिंगों - ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर, चित्रकूट, राम वन गमन पथ, विभिन्न आध्यात्मिक लोक, ओरछा राम राजा मंदिर, भगवान राम और श्री कृष्ण से जुड़े स्थल जिसमें उज्जैन में संदीपनी आश्रम, जानापाव पहाड़ी आध्यात्मिकता का अद्वितीय आनंद से परिपूर्ण है।

मध्यप्रदेश में पर्यटन स्थानीय समुदायों के विकास और उत्थान की प्रमुख धूरी बन रहा है। रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म की दिशा में बढ़ते हुए ग्रामीण पर्यटन स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाते हुए स्थानीय समृद्ध विरासत और संस्कृति को संरक्षित भी कर रहा है। ग्रामीण पर्यटन मिशन के तहत 100 से अधिक गांवों में 1000 होमस्टे का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में 16 गांवों में फैले 41 ग्रामीण होमस्टे सहित 305 से अधिक होमस्टे आतिथ्य की गर्मजोशी, आरामदायक आवास, स्थानीय व्यंजनों के स्वाद के साथ क्षेत्र के जीवंत लोक नृत्य और संगीत को पर्यटकों से रूबरू करा रहे है। एक कदम आगे बढ़ महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना अंतर्गत सोलो महिला यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मध्यप्रदेश विविध संस्कृतियों, परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों का एक जीवंत चित्रपट है। अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह, तानसेन संगीत समारोह, भगोरिया उत्सव और लोकरंग जैसे आकर्षक कार्यक्रम और त्योहार मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करते हैं, तथा दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। ताल दरबार, कथक कुंभ और उज्जैन डमरू वादन जैसे आयोजनों में गिनीस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होकर प्रदेश की संस्कृति को विश्व के सामने लाने में अहम भूमिका अदा की है।

मध्यप्रदेश खुद को भारत में एक अग्रणी फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। राज्य की फिल्म-अनुकूल नीति, सिंगल-विंडो क्लीयरेंस और आकर्षक प्रोत्साहन ने इसे प्रोडक्शन हाउस के लिए पसंदीदा विकल्प बना दिया है। हाल ही में मध्यप्रदेश के चंदेरी में शूट की गई फिल्म स्त्री-2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ की कमाई करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई है। एक कदम आगे जाते हुए भारत की तरफ से ऑस्कर में भेजी जाने वाली फिल्म लापता लेडीज भी मध्यप्रदेश में ही शूट हुई है। यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

'पर्यटन और शांति' का संदेश सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भावना की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत में पर्यटन का विकास तेज़ी से हो रहा है, जिसमें 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रसाद' जैसी योजनाओं ने विशेष योगदान दिया है। वहीं, मध्यप्रदेश सरकार भी अपने राज्य में पर्यटन स्थलों के विकास और आधारभूत ढांचे के उन्नयन पर विशेष ध्यान दे रही है।

हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन की दृष्टि से अनंत संभावनाओं से भरपूर प्रदेश है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश में पर्यटन न केवल आर्थिक वृद्धि का स्रोत बनेगा, बल्कि विश्व भर में शांति और सद्भावना का संदेश भी फैलाएगा। मध्यप्रदेश की प्राकृतिक एवं सामाजिक विविधता और उसकी सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देकर, हम न केवल अपनी पहचान को सशक्त करेंगे, बल्कि शांति और सद्भाव का एक आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करेंगे।

मध्यप्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर बिखरे हैं प्रकृति, वन्य जीवन, धरोहर और अध्यात्म के चटख रंग

समग्र पर्यटन का केंद्र है मध्यप्रदेश

लोकेन्द्र सिंह

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं और पर्यटन में विशेष रुचि रखते हैं।)

भारत का हृदय 'मध्यप्रदेश' अपनी नैसर्गिक सुन्दरता, आध्यात्मिक ऊर्जा और समृद्ध विरासत के चलते सदियों से यात्रियों को आकर्षित करता रहा है। आत्मा को सुख देने वाली प्रकृति, गौरव की अनुभूति कराने वाली धरोहर, रोमांच बढ़ाने वाला वन्य जीवन और विश्वास जगाने वाला अध्यात्म, इन सबका मेल मध्यप्रदेश को भारत के अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है। इस प्रदेश में प्रत्येक श्रेणी के पर्यटकों के लिए कई चुम्बकीय स्थल हैं, जो उन्हें बरबस ही अपनी ओर खींच लेते हैं। यह प्रदेश उस बड़े हृदय के मेजबान की तरह है, जो किसी भी अतिथि को निराश नहीं करता है।

वैभव की इस भूमि पर पराक्रम की गाथाएं सुनाते और आसमान का मुख चूमते दुर्ग हैं। भारत का जिब्राल्टर 'ग्वालियर का किला', महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का राजमहल, मांडू का जहाज महल, दतिया में सतखंडा महल, रायसेन का दुर्ग, दुर्गावती का मदन महल, जलमग्न रहनेवाला रानी कमलापति का महल और गिन्नौरगढ़ सहित अनेक किले हैं, जो मध्यप्रदेश के स्थापत्य की विविधता का बखान करते हैं। देवों के चरण भी इस धरा पर पड़े हैं। उज्जैन, जहाँ योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण पढ़े। चित्रकूट, जहाँ प्रभु श्रीराम माता सीता और भ्राता लखन सहित वनवास में रहे। ओंकारेश्वर, जहाँ आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आचार्य गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा ली। मध्यप्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग- महाकाल और ओंकारेश्वर हैं। इसके साथ ही भगवान शिव ने कैलाश और काशी के बाद अमरकंटक को परिवार सहित रहने के लिए चुना है। एक ओर जहाँ द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण प्रतिवर्ष मुरैना में आकर ढ़ाई दिन रहते हैं तो वहीं ओरछा में राजा राम का शासन है। महारानी कुंवर गणेश के पीछे-पीछे श्रीराम अयोध्या से ओरछा तक चले आये थे। ओरछा राजाराम के मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है।

मध्यप्रदेश अपने वनों के लिए भी प्रसिद्ध है। सतपुड़ा के घने जंगल का तो अद्भुत वर्णन कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में आता ही है। चम्बल के भरकों से लेकर कटनी, उमरिया और जबलपुर से लगा शाहडार का जंगल भी रोमांचक यात्राओं का ठिकाना है। मेकल पर्वत पर सदानीरा माँ नर्मदा का उद्गम स्थल ही नहीं, अपितु वहां का सघन वन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। मध्यप्रदेश भारत का इकलौता राज्य है जहाँ सर्वाधिक 12 राष्ट्रीय उद्यान हैं। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, शिवपुरी, पन्ना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्यान लोगों को वन्य जीवन को देखने का दुर्लभ, रोमांचपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। मध्यप्रदेश सफ़ेद बाघ 'मोहन' का ही घर नहीं है, अपितु यह रहस्य और कौतुहल बढ़ानेवाले बालक 'मोगली' का भी जन्मस्थान है। सर विलियम हेनरी स्लीमन ने 'एन एकाउंट ऑफ वाल्वस नरचरिंग चिल्ड्रन इन देयर डेन्स' शीर्षक से लिखे अपने एक दस्तावेज में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के जंगल (पेंच टाइगर रिजर्व) में मोगली का घर था। वाइल्डलाइफ पर्यटन मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है। वन्य जीवों के संरक्षण के कारण मध्यप्रदेश के पास 'टाइगर स्टेट' के साथ ही 'द लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का दर्जा भी है। बाघ देखने के लिए न केवल देशभर से बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी लोग मध्यप्रदेश में आते हैं। भिंड और मुरैना के समीप स्थित चम्बल सफारी तो घडियाल संरक्षण का बड़ा केंद्र बन गई है। कभी डाकुओं के लिए कुख्यात रहे चम्बल के बीहड़ अब डोल्फिन के लिए प्रसिद्ध हैं। भारत में गंगा के बाद सबसे अधिक डोल्फिन चम्बल सफारी में पाए जाते हैं।

जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार करने का अवसर भी मध्यप्रदेश देता है। मंडला, उमरिया, छिंदवाडा, बालाघाट, झाबुआ और अनूपपुर में कई स्थान हैं, जो पर्यटन के तौर पर विकसित किये गए हैं। कुछ समय के लिए दुनिया की भागम-भाग से दूर प्रकृति की गोद में

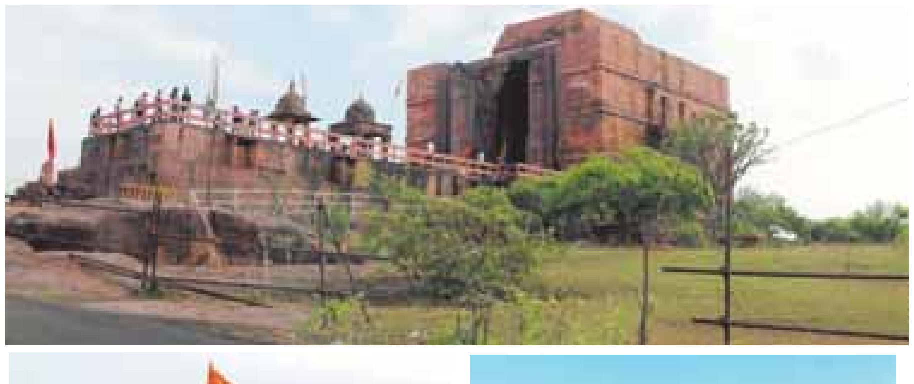

सुख की अनुभूति करने के लिए तामिया और पातालकोट जैसे स्थान भी हैं, जो आम पर्यटकों से छिपे हुए हैं। वहीं, मढ़ई, तवा, परसिली, हनुमंतिया जैसे अनेक स्थल भी हैं, जिन्हें पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। पर्यटकों द्वारा खोजे जा रहे नये पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित करने में मध्यप्रदेश की सरकार अग्रणी है। इंदौर के समीप महू से पातालपानी-कालाकुंड तक चलनेवाली हेरिटेज ट्रेन भी सीटी बजाकर उन पर्यटकों को बुलाती है, जो प्रकृति के नजारों में खोना चाहते हैं।

सब प्रकार के पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध मध्यप्रदेश के ऐसे अनेक स्थान हैं, जो अभी भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान में यूनेस्को की 'विश्व विरासत' की सूची में मध्यप्रदेश के चार स्थल है- बुद्ध का संदेश देते साँची के स्तूप, प्रागैतिहासिक सभ्यता के चिन्ह भीमबेटिका, सौंदर्य के साक्षी खजुराहो के साथ त्यागमय संस्कृति का प्रतीक ओरछा। ये चारों ही स्थान विदेशी पर्यटकों को लुभाते हैं।

मध्यप्रदेश का कोई कोना ऐसा नहीं है, जो पर्यटन की दृष्टि से मरुस्थल हो। ग्वालियर के आसपास ककनमठ, मितावली, पड़ावली, दतिया, सोनागिर, ओरछा, चंदेरी और शिवपुरी का एक ट्रेवल रूट बनता है। भोपाल के आसपास साँची, विदिशा, ग्यारसपुर, उदयगिरी की गुफाएं, भोजपुर, भीमबेटका, देलावाडी और रायसेन एक पर्यटन स्थल समूह बनता है। इंदौर को केंद्र मानकर उज्जैन, हनुमंतिया, ओंकारेश्वर, ब्रह्मपुर (बुरहानपुर), महेश्वर और मांडू का एक पर्यटन स्थल का समूह बनता है। वहीं, जबलपुर से भेड़ाघाट, बरगी, बांधवगढ़, अमरकंटक, कान्हा और पेंच जा सकते हैं। खजुराहो के साथ ओरछा, अजयगढ़, चित्रकूट, मुकुंदपुर वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी, संजय राष्ट्रीय उद्यान, मैहर और हीरों के साथ अपने जंगलों के लिए प्रसिद्ध पन्ना के पर्यटन स्थल घुमे जा सकते हैं। उधर, सतपुड़ा की रानी 'पचमढ़ी' के साथ मढ़ई, तवा, तामिया और पातालकोट का एक पर्यटन समूह बनता है। मध्यप्रदेश के पर्यटन, उसकी समृद्ध विरासत और गौरव का दर्शन करना है तो एक बार मध्यप्रदेश गान पढ़/सुन लेना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार महेश श्रीवास्तव ने इस गीत में मध्यप्रदेश की एक खूबसूरत और गौरवपूर्ण तस्वीर उतार दी है।

मध्यप्रदेश घूमने का सबसे अच्छा समय- वैसे तो मध्यप्रदेश राज्य का वर्ष के किसी भी समय दौरा किया जा सकता है। मध्य भारत में स्थित होने के कारण, मध्य प्रदेश की जलवायु आमतौर पर गर्म और शुष्क होती है। परन्तु अच्छा होगा कि अक्टूबर से मार्च के बीच मध्यप्रदेश घूमने की योजना बनायी जाए। इस दौरान यहाँ का तापमान अनुकूल होता है और बारिश के बाद कई पर्यटन स्थल अपने पूर्ण सौंदर्य के साथ उपस्थित होते हैं। प्रदेश में सर्दियों का मौसम वन्यजीव अभ्यारण्यों, ऐतिहासिक स्थलों, नदी घाटियों और प्राचीन मंदिरों में जाने के लिए एकदम सही है।

फिल्म पर्यटन की बहार आ गई मध्य प्रदेश में

पर्यटन

अवनीश सोमकुवर

उप संचालक जनसंपर्क मप्र शासन

वर्ष 1993 का समय था जब लंदन के आइवरी मर्चेंट प्रोडक्शन की फिल्म के मालिक इस्माईल मर्चेंट ने प्रसिद्ध लेखिका अनिता दास की उपन्यास 'इन कस्टडी' पर आधारित अपनी फिल्म के लिए भोपाल को चुना। यह उर्दू शायरी की कमज़ोर होती विरासत पर लिखे शोकगीत की तरह थी। मुख्य भूमिका में शशि कपूर, शबाना आज़मी नीना गुप्ता, ओमपुरी, टीनू आनंद थे । फिल्म की ज्यादातर शूटिंग गौहर महल, सोफिया कॉलेज, बेनजीर कॉलेज, बुधवारा , तकिया टापू मे हुई। फिल्म के शूटिंग के दौरान पुराने भोपाल के लोगों के लिए इन कलाकारों को भोपाल में घूमते देखना आश्चर्य जैसा था। फिल्म का आखिरी सीन था जब शायर नूर मियां की भूमिका निभा रहा रहे शशि कपूर का इंतकाल हो जाता है और उनका जनाजा गौहर महल से निकलता है। इस जनाजे में स्थानीय थिएटर कलाकारों के अलावा पुराने भोपाल के आम लोग भी शामिल हुए। बैकग्राउंड में फैज की नज़्म 'आज बाज़ार मै पा -ब-जौला चलो...' सुरेश वाडेकर की आवाज में सुनाई देती है। इस पूरे दृश्य में पुराना भोपाल सजीव हो उठता है।

आज जब लापता लेडीज ऑस्कर के लिए नामांकित हो गई है। सीहोर के गांव वालों के लिए आश्चर्य का ठिकाना नहीं होगा यदि इस फिल्म को ऑस्कर पुरस्कार मिलेगा और वे अपने इछावर के मार्केट और बेगमपुर, सेमली गांव को और बस स्टैंड को फिल्म में देखेंगे।

दरअसल, अप्रतिम सौंदर्य से मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन और शूटिंग का हब बन गया है। यहां 1952 से शूटिंग हो रही है। सरकार के सहयोग से फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बन गया है। कम लोगों को पता होगा कि मध्यप्रदेश में 'लायन', व्हाइट टाइगर, दि लवर्स जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग हुई है। मध्यप्रदेश में बनी अंतर्राष्ट्रीय स्तर प्रदर्शित फिल्मों ने देश और विदेश के नामी फिल्म निर्मात कंपनियों और निदेशकों का ध्यान आकर्षित किया है। चंदेरी में शूट हुई फिल्म 'स्त्री-2' ने 600 करोड़ से ज्यादा का व्यवसाय कर लिया है और स्त्री-3 के लिए भी जमीन तैयार कर दी है। सीहोर के गांवों में शूट हुई और आस्कर पुरस्कार के लिए नामांकित हुई फिल्म 'लापता लेडीज' में मध्यप्रदेश के स्थानीय कलाकारों ने अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवा लिया। वर्ष 2016 में बनी विश्व प्रसिद्ध फिल्म 'लायन' की शूटिंग इंदौर,उज्जैन, खंडवा, खरगौन, देवास और बुरहानपुर में हुई। यहां 19 दिनों की शूटिंग हुई थी। इसे आस्कर के लिये नामांकित किया गया था और कई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। फिल्म के निर्देशक गार्थ डेविस ने मप्र सरकार और पर्यटन विकास निगम के सहयोग का आभार माना। 'लापता लेडीज' में सिहोर के बमूलिया, सेमली, ढबलामाता, शिकारपुर, जोशीपुर घाट, गुंजारी मंदिर, इछावर मार्केट प्रमुखता से नजर आते हैं।

मध्य प्रदेश को प्रकृति ने दिल खोलकर सौन्दर्य-समृद्ध बनाया है। फिल्म शूटिंग के लिए मध्यप्रदेश। सुंदर स्थलों का स्वर्ग है। देश का हृदय प्रदेश होने के कारण यहां चारों दिशाओं से कनेक्टिविटी आसान है। सड़क संपर्क में अभूतपूर्व सुधार होने से पहुंचना आसान हो गया है। हवाई सेवाओं के बढ़ने से लिल्म उदयोग के लिए और भी ज्यादा अनुकूल हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में आने वाले फिल्म निर्माण परियोजनाओं में निवेशकों से निवेश करने का आग्रह किया है। इससे स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा और राज्य सरकार की उदार नीतियों के कारण फिल्म निर्माण की लागत में भी कमी आयेगी।

प्रदेश सरकार ने फिल्म इंडस्ट्री की आवश्यकताओं और शूटिंग के लिए उपलब्ध सुंदरतम स्थलों का महत्व समझते हुए अपनी फिल्म निर्माण नीति बनाई है। इसमें फिल्म निर्माताओं को आकर्षक पैकेज फिल्म दिए जा रहे हैं। फिल्म निर्माण के लिए जो सबसे अनुकूल स्थिति है बेहतर कानून व्यवस्था और शांति। दोनों ही मध्यप्रदेश की पहचान है। प्रदेश में कहीं भी शूटिंग करना बहुत आसान है। पुलिस और प्रशासन का पूरा सहयोग मिलता है। शांत वातावरण में शूटिंग हो जाती है। स्थानीय लोग मददगार और मित्रवत व्यवहार करते हैं। इन सब खूबियों के कारण मध्य प्रदेश शूटिंग हब के रूप में प्रसिद्धी पा रहा है।

प्रसिद्ध बालीवुड फिल्मों में है मप्र- मध्य प्रदेश में 1952 से फिल्मों की शूटिंग हो रही है। वर्ष 1952 में भारत की पहली टेक्नीकलर फिल्म 'आन' फिल्म की शूटिंग राजगढ़ जिले में नरसिंहगढ़ किले में हुई थी। इसे एक साथ 28 देशों में रिलीज किया गया था। इसके बाद 1955 में राजकपूर की 'श्री 420' की कुछ शूटिंग शाजापुर में हुई और 1957 में 'रानी रूपमती', 1957 में ही 'नया दौर' की शूटिंग बुदनी होशंगाबाद में हुई और 1963 में 'मुझे जीने दो' फिल्म की शूटिंग भी चंबल क्षेत्र में हुई।

फिल्म सुविधा सेल- राज्य सरकार ने फिल्म उद्योग और फिल्म की शूटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए फिल्म सुविधा सेल बना दिया है। यह सेल फिल्म निर्माण कंपनियों, निर्माताओं के साथ समन्वय स्थापित करेगा और उनकी आवश्यकताओं को समझ कर नीति में आवश्यक बदलाव के लिए सुझाव भी देगा। इस सेल के संचालन की जिम्मेदारी मप्र टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक, पुरातत्व सलाहकार, उपसंचालक वित्त, फिल्म निर्माण में विशेषज्ञ रखने वाले व्यक्ति और संबंधित विभागों के विभाग अध्यक्ष की है।

यह सेल फिल्म निर्माण के सभी आवेदनों पर विचार करेगा और आवश्यकता अनुसार तत्काल स्वीकृतियां जारी करेगा। यदि किसी निर्माता को फिल्म निर्माण के अनुदान लेना करना हो तो उसके प्रस्ताव पर भी विचार करेगा।

सिंगल विंडो सिस्टम- प्रदेश में शूटिंग करने की इच्छुक फिल्म निर्माताओं के लिए सिंगल विंडो सिस्टम है । इससे अनुमतियां जारी की जा सकेंगी। राज्य शासन फिल्म पर्यटन निधि के माध्यम से मनोरंजन उद्योग के विकास को सहायता देकर आर्थिक गतिविधियों को विस्तार दे रही है। फिल्म संबंधी हितधारकों के लिए ज्यादा से ज्यादा अवसर पैदा करने की दृष्टि से प्रयास किये जा रहे हैं। फिल्म की प्रचार-प्रसार गतिविधियों के लिए थीम पार्क, सेल्फी प्वाइंट, फिल्म फेस्टिवल, और फिल्म अवार्ड जैसे इवेंट्स आयोजित किया जा रहे हैं। देश के प्रमुख फिल्म निर्माताओं के टूर भी आयोजित करने की योजना है। साथ ही प्रदेश में शूटिंग करने लायक नए स्थलों की पहचान कर निर्माताओं को उनकी लोकेशन से अवगत कराया जा रहा है।

फिल्म निर्माण पर वित्तीय प्रोत्साहन- फिल्म निर्माण के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का भी नीति में प्रावधान है। प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए फिल्म निर्माताओं फिल्म लागत के अनुसार अनुदान देने का प्रावधान है। पहली एक करोड़ रुपए तक लागत की फिल्म की शूटिंग के लिए फिल्म की कुल लागत का 25 प्रतिशत जो भी काम हो उन्हें अनुदान के रूप में दिया जाएगा। शर्त यह है कि फिल्म की न्यूनतम 50 प्रतिशत शूटिंग के दिन मध्य प्रदेश में हों।

इसी प्रकार 1.50 करोड़ लागत की फिल्म का 25 प्रतिशत या जो भी कम हो दिया जाएगा लेकिन फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग दिवस मध्य प्रदेश में होना चाहिए। इसी प्रकार दूसरी और तीसरी फिल्म के लिए भी अनुदान का प्रावधान है।

दूसरी फिल्म के लिए सवा करोड़ तक की फिल्म की कुल लागत का 25 प्रतिशत अनुदान देने का प्रावधान है लेकिन फिल्म की 60 प्रतिशत शूटिंग मध्य प्रदेश में होना चाहिए। इसी प्रकार तीसरी डेढ़ करोड़ तक की फिल्म की शूटिंग में 25 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाएगा लेकिन फिल्म की 50 प्रतिशत शूटिंग मध्यप्रदेश में होना चाहिए और दो करोड़ तक या ज्यादा की फिल्म की लागत का का 25 प्रतिशत अनुदान में दिया जाएगा जो यदि फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग मध्यप्रदेश में होती है। इन प्रावधानों की उद्देश्य यह है कि यदि 75 प्रतिशत से ज्यादा शूटिंग मध्य प्रदेश में होने से मध्य प्रदेश प्रमुखता से प्रदर्शित होगा और इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसी प्रकार टीवी धारावाहिक, टीवी शो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित होने वाली वेब सीरीज ओरिजिनल शो, डॉक्यूमेंट्री के लिए भी आकर्षक प्रावधान हैं। टीवी धारावाहिक और शो के लिए 50 लाख तक के टीवी धारावाहिक की कुल लागत का 25 प्रतिशत अनुदान में दिया जाएगा। शर्त है कि न्यूनतम 90 प्रतिशत शूटिंग प्रदेश में होना चाहिए। इसके अलावा एक करोड़ तक के टीवी धारावाहिक के लिए कुल लागत का 25त्न अनुदान दिया जाएगा लेकिन राज्य में 180 दिनों की शूटिंग होना चाहिए।

पितृ संतुष्टि से मिलती है सुख, शांति, ऐश्वर्य : पंडित गणेश त्रिवेदी

50 वर्षों से हो रही है ताप्ती तट पर नि:शुल्क तर्पण क्रिया, मित्र, शत्रु, शहीद जवान, गौ माता का भी होता है ताप्ती तट पर तर्पण

बैतूल/मुलताई। पितृपक्ष प्रारंभ होते ही ताप्ती तट रामघाट मुलताई पर तर्पण कर अपने पितरों को मोक्ष दिलाने दूर-दूर से लोग पवित्र नगरी ताप्ती तट पहुंचते हैं, और पंडित त्रिवेदी परिवार बीते 50 वर्षों से परंपरागत रूप से ताप्ती तट पर नि:शुल्क तर्पण प्रक्रिया कराते आ रहा है। साथ ही ताप्ती तट तर्पण समिति श्रद्धालुओं को नि:शुल्क तर्पण सामग्री उपलब्ध कराती है। ताप्ती तट पर होने वाले दर्पण की विशेषता यह भी है कि यहां मित्र, शत्रु, देश के लिए शहीद होने वाले जवान एवं गौ माता के लिए भी तर्पण किया जाता है। पंडित गणेश त्रिवेदी बताते हैं कि नदिया हमेशा से ही मानव जीवन और जीवन से जुड़े संस्कार, संस्कृति की पोशक रही है यही कारण है की नदियों की अपनी धार्मिक मान्यताएं हैं। ताप्ती सृष्टि की प्रथम नदी मानी जाती है यही कारण है कि ताप्ती जल में तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति की मान्यता है।

नि:शुल्क तर्पण कराकर अपने पिता की परंपरा को आगे बढ़ा रहे गणेश त्रिवेदी- ताप्ती तट पर पंडित गणेश शंकर त्रिवेदी अपने पिता की परंपरा को वर्षों से निशुल्क पिंडदान एवं तर्पण क्रिया करा कर आगे बढ़ा रहे हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को तर्पण की सामग्री भी नि:शुल्क समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। निशुल्क तर्पण की क्रिया पंडित गणेश त्रिवेदी के पिता दुर्गा शंकर त्रिवेदी ने 50 वर्ष पूर्व प्रारंभ की थी इस परंपरा को गणेश त्रिवेदी आगे बढ़ा रहे हैं पंडित गणेश त्रिवेदी बताते हैं पितृपक्ष मास में पितरों की आत्माएं वायुमंडल में सूक्ष्म रूप से भ्रमण करती है और हमारे पित्र यह अपेक्षा करते हैं कि उनके त्तराधिकारी तर्पण पिंडदान आदि धार्मिक अनुष्ठान कर उन्हें मोक्ष द्वार तक पहुंचाएं जो अपने पितरों को संतुष्ट करते हैं उन्हें धन्य- धान्य सुख शांति एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

ताप्ती के जल से होता है पापों का नाश- पंडित त्रिवेदी बताते हैं कि ताप्ती में तर्पण का महत्व प्रयाग एवं हरिद्वार की भांति ही है क्योंकि ताप्ती को ताप नाशनि माना जाता है ताप्ती के जल से काइक, शारीरिक एवं वाचिक तीनों प्रकार के पापों का नाश होता है। ताप्ती जल में मिलने से सभी अवशेष जल में परिवर्तित हो जाते हैं यही कारण है कि कुंती पुत्र पांडव एवं सप्त ऋषियों ने भी ताप्ती जल में अपने पितरों का तर्पण किया था।

भौंरा में बस खड़ी करने को लेकर विवाद, विरोध में बाजार हुआ बंद

हिंदू संगठनों की नाराजगी के बाद पुलिस बल तैनात, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद भी नाराजगी बरकरार

भौंरा। नगर में मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक-दूसरे से मारपीट कर दी। इस घटना के विरोध में गुरुवार को भौंरा का बाजार पूरी तरह से बंद रहा। तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात रहा। हिन्दू संगठन के कुछ युवकों ने ज्ञापन सौंपकर मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक भौंरा बस स्टैंड पर दुकान के सामने बस खड़ी किए जाने को लेकर एक विशेष समुदाय के लोगों ने राघवेन्द्र मालवी के साथ विवाद कर मारपीट की गई। घटना के बाद हिन्दू संगठनों ने विरोध जताया। इस मामले में पुलिस ने मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। इसके बावजूद भी विवाद नहीं थम रहा है। अब यह विवाद बड़ा रूप लेते जा रहा है। विवाद को लेकर हिन्दू संगठनों के लोगों ने भौंरा बाजार बंद रखकर विरोध जताया है। बताया गया कि एक विशेष समुदाय के कुछ युवकों द्वारा गांव को श्मशान बना देने की बात कही थी, जिसको लेकर लोगों में आक्रोश पनपने लगा है।

अवैध दुकानों को हटाने की मांग- ग्रामीण और हिन्दू संगठनों के लोगों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा और मांग की है कि एक विशेष समुदाय के कुछ लोगों द्वारा बाजार में मटन-चिकन की दुकानें अवैध रूप से संचालित की जा रही है, इन्हें हटाया जाएं। पंचमुखी गणेश मंदिर के सामने अवैध रूप से बाउंड्रीवाल का निर्माण किया है। सरकारी अस्पताल के पीछे वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। इन लोगों को हटाने की कार्रवाई की जाएं। अवैध कब्जा कर कुछ लोग गांव के लोगों को धमका रहे है। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि घटना की पुनरावृत्ति ना हो। भौंरा बंद के दौरान किसी प्रकार से कोई बड़ा विवाद ना हो जाएं, जिसे देखते हुए विधायक गंगा बाई उइके, एसडीएम अभिजीत सिंह तहसीलदार, एसडीओपी मयंक तिवारी, थाना प्रभारी जयपाल इनवाती मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश देकर लोगों को कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है।

इनका कहना

कुछ दिन पहले एक व्यक्ति के साथ एक विशेष समुदाय के लोगों के साथ मारपीट की गई। इस मामले में पुलिस की तरफ से कार्रवाई हो चुकी है। घटना को लेकर गुरुवार को बाजार बंद रखकर विरोध जताया। एहतियात बरतते हुए मौके पर पुलिस जवानों को तैनात किया है।

-जयपाल इवनाती, टीआई, शाहपुर

सतपुड़ा वैली के 13 विद्यार्थियों का एसजीएफआई राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में चयन

बैतूल। विगत दिनों आयोजित संभाग स्तरीय एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) प्रतियोगिता में सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल के 13 छात्र-छात्राओं का चयन विभिन्न खेलों के लिए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया। ये चयन स्विमिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, टेनिस और बैडमिंटन की विभिन्न कैटेगरी में हुआ है।

बास्केटबॉल में अंडर-14 गर्ल्स टीम से स्नेहा शायरे, पल्लवी ग्वाले, माही अखंडे, कनिका राठौर, अंडर-14 बॉयज टीम से आरव महेश्वरी, अंडर-17 बॉयज टीम से दक्ष आहूजा, अंडर-19 बॉयज टीम से अश्विन तिर्की, कलश घोटे, फुटबॉल में अंडर-14 टीम से शिखर पाल, अंडर-17 टीम से चेतन खातरकर, टेनिस में अंडर-17 कैटेगरी में वारी पाटणकर, बैडमिंटन में अंडर-14 कैटेगरी में सार्थक, स्विमिंग में अंडर-19 कैटेगरी में पर्व रांका यह सभी खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय एसजीएफआई प्रतियोगिताओं में अपने-अपने खेलों में हिस्सा लेंगे। इन विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर स्कूल डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा, स्कूल प्रिंसिपल जया चक्रवर्ती और मैनेजर शिवशंकर मालवीय सहित सभी शिक्षकों ने हर्ष जताते हुए बधाई दी और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत जिले के 554 गांव का होगा विकास

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को पूर्ण रूप से विकसित करने तथा चरणबद्ध विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को केन्द्रीय मंत्री मंडल द्वारा हाल ही मंजूरी दी गई है। अभियान के तहत गांवों का सुनियोजित विकास किया जाएगा। जिले में योजना के तहत 10 विकासखंड के 554 गांव शामिल है, जिनको इस योजना में विकसित किया जाएगा। फिलहाल इसमें 25 प्रकार की गतिविधियां शामिल की गई है, जो जनजातीय लोगों को बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि के साथ ही उनकी मूलभूत आवश्यकताओं और सुविधाओं की पूर्ति के लिए सहायक होगे। इसके अंतर्गत 17 विभागों द्वारा समन्वय से कार्य किया जायेगा और प्रत्येक मंत्रालय विभाग द्वारा आगामी 5 वर्षों में अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के तहत उन्हें आवंटित बजट के माध्यम से समयबद्ध तरीके से योजना का क्रियान्वयन होगा। इस अभियान के तहत प्रमुख रूप से 4 लक्ष्यों का निर्धारण किया गया है, इसमें जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में सक्षम बुनियादी ढांचे का विकास, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, अच्छी शिक्षा तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना तथा स्वस्थ जीवन के साथ ही सम्मानजनक जीवन की धारणा को सुनिश्चित करना शामिल है।

ठगी करने वाले 10 लोगों को पुलिस ने दबोचा

बैतूल। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया के निर्देशन में साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन धोखाधड़ी, एवं ठगी जैसी अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, ग्रामीण एवं महिलाओं को जागरूक करने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना आमला में पूर्व में भी मिलावटखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। 24 सितंबर को आमला पुलिस सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम देव पिपरिया में कुछ लोग काली-नीली टाटा सफारी में आकर स्क्रैच कार्ड को स्क्रैच करने पर लकी नंबर मिलने का झांसा देकर सस्ती दरों पर पोर्टेबल डीजे बॉक्स, गैस चूल्हा, पंखा, एवं कूलर जीतने की बात कहकर ग्रामीणों से 200 लेकर ठगी कर रहे हैं। इस सूचना पर थाना प्रभारी आमला सत्य प्रकाश सक्सेना अपने बल के साथ ग्राम देव पिपरिया पहुंचे। मौके पर 10 आरोपियों को ग्रामीणों से 200 लेकर स्क्रैच कार्ड के बहाने इनाम का लालच देकर ठगी करते हुए पकड़ा गया।

मुकेश पिता कमल नायक, राहुल पिता सतपाल नायक, विनोद पिता लखन नायक, प्रदीप पिता सुरेश नायक,अमन पिता राजेंद्र उर्फ श्रीराम नायक,अनिल कुमार पिता जिलेदार नायक,अभिषेक पिता सतपाल नायक, आफिसर पिता भीकम नायक,दीपसिंह पिता अहिवरन सिंह, बाबी पिता अहिवरन सिंह उक्त सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के जनपद इटावा, कासगंज, एटा, एवं कन्नौज के निवासी हैं, जिन्हें ठगी करते हुए ग्राम देवपिपरिया में पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से टाटा सफारी, स्क्रैच कार्ड, कूपन, पोर्टेबल डीजे बॉक्स, गैस चूल्हा, पंखा एवं कूलर, गाड़ी की डिग्गी से बरामद किया गया है। इसके अलावा, इसी प्रकार की अन्य सामग्री मुलताई स्थित किराये के मकान से भी बरामद की गई।ग्राम देव पिपरिया निवासी शनि पिता भूता उईके की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 461-24 धारा 318 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया है। आमला पुलिस ने ग्रामवासियों को ऐसी ठगी की घटनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी है। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में संलग्न दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई है।

करीबन चालीस से अधिक ग्रामों के नागरिक करते हैं रेल्वे गेट खुलने का इंतजार, ओवरब्रिज निर्माण हो

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। नागरिक संघर्ष समिति के तत्वावधान में सोहागपुर रेलवे स्टेशन पर नागरिक सुविधाओं को लेकर आज स्टेशन अधीक्षक को रेल मंत्री एवं रेलवे बोर्ड अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। नागरिक संघर्ष समिति संयोजक शिवकुमार पटेल ने बताया कि वर्ष 1986-87 से लेकर नगर के दो वार्डो तिलक एवं इंदिरा वार्ड के वाशिंदों , वहां जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक लगातार ओवरब्रिज निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। वहीं इस ओवरब्रिज के अभाव में करीबन 40 से अधिक ग्रामों के नागरिकों के अलावा दोनों वार्डो के छात्र छात्राएं

घंटों खड़े होकर रेलवे गेट के खुलने का इन्तजार करते रहते हैं । देश में लगातार रेलवे विभाग रेल सुविधाओं का विस्तार कर रहा। लेकिन सोहागपुर जो नर्मदापुरम की सबसे पुरानी तहसील के अलावा यहां देश, विदेश में विख्यात सतपुड़ा टाइगर रिजर्व मढ़ई है। लेकिन आखिर क्यों जनप्रतिनिधि सोहागपुर के लिए उदासीनता बरतने हैं। यह समझ से परे है। आपने जनप्रतिनिधियों को सकारात्मक दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया है। आपने आगे बताया कि ज्ञापन में रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म क्रमांक दो बहुत नीचा है ।इस कारण यात्रियों को रेल से उतरने एवं चढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं बुर्जुगों एवं बच्चों को यात्रा करने में तकलीफ़ उठानी पड़ती है। इस कारण ऊंचाई बढ़ाई की मांग दर्शाई गई। इसी क्रम में प्लेटफार्म पर ट्रेनों के कोचों की जानकारी के लिए डिस्प्ले बोर्ड, दोनों प्लेटफार्म पर सर्दी, गर्मी, बरसात से बचने के लिए टीन सेट निर्माण क्योंकि वर्तमान शेड बहुत ही छोटा है। सुरक्षा एवं यात्रियों बैठने की उचित व्यवस्था के अलावा यहां से इटारसी एवं जबलपुर जाने के लिए सुबह 10 से शाम 5 बजे तक कोई भी ट्रेन यात्री उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में या तो पूर्व की भांति समय ट्रेन में परिवर्तन किया जाए या किसी ट्रेन का स्टापेज किया जाए। गाड़ी क्रमांक 22 187/88 इंटरसिटी एक्सप्रेस, गाड़ी क्रमांक 12061/ 62 जन शताब्दी एक्सप्रेस ,गाड़ी क्रमांक 22177/78 महानगरी एक्सप्रेस, गाड़ी क्रमांक 22191/92 इंदौर जबलपुर एक्सप्रेस, गाड़ी क्रमांक 12295/96 संघमित्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के ट्रेनों का स्टापेज किया जाए। वहीं ज्ञापन में एक अहम बात का भी उल्लेख किया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा में दी जाने वाली रियायत को पूर्व की भांति लागू किया जाए ।

16 ग्रामों के 1 हजार हस्ताक्षर - नागरिक संघर्ष समिति के ज्ञापन के साथ 16 ग्रामों के लगभग 1000 नागरिकों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन भी सौंपा गया।

इस अवसर समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल,व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल,अधिवक्ता कपिल शर्मा,हरगोविंद पाली,जगदीश साहू,बलराम पटेल, छतर सिंह पटेल,मदन पाल, वकील सतीश नामदेव,रामेश्वर कहार,संतोष योगी, संदीप रघुवंशी,पूर्व पार्षद प्रदीप दुबे, अशोक नागा आदि उपस्थित थे।

भौंरा समिति की वार्षिक आमसभा आज

भौंरा। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित भौंरा की वार्षिक आमसभा आज शुक्रवार 27 सितम्बर 2024 को दोपहर 1 बजे से विजय मंगल भवन भौंरा जिला बैतूल में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए समिति प्रबंधक सुनील पंवार ने बताया कि समिति के एजेण्डा के अनुसार विषयों पर आमसभा में चर्चा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष के लिए क्रियाकलापों पर भी विस्तार से चर्चा होगी। समिति की प्रशासक पूनम सिंह ने समिति के सभी सदस्यों से वार्षिक आमसभा में उपस्थित होने की अपील की है।

चद्रशेखर, इंदिरा एवं भगतसिंह वार्ड की महिलाओं को मिली पोषण की जानकारी

बैतूल। पोषण माह के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास के अर्न्तगत चद्रशेखर, इंदिरा एवं भगतसिंह वार्ड में 1 सितम्बर से 30 सितम्बर तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से वार्डवासियों को पोषण के प्रति जागरूक रहने हेतू समझाइश दी गयी एवं इसके अंतर्गत दालें, मोटे अनाज, अंकुर पदार्थ, कोदो-कुटकी, बाजरा, रागी, साझा, गुड़, फल आदि को भोज्य पदार्थ में शामिल करने की समझाइश दी गई। जिससे

हमारे परिवार तथा समाज एवं देश को हम कुपोषण से बचा सके। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष बैतूल पार्वती बाई बारस्कर, नगरपालिका बैतूल के सभापति एवं इंदिरा वार्ड पार्षद रघुनाथ लोखण्डे, महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक सुश्री राखी ज्ञानचन्दानी, गुल्ला उइके, रूपा मिश्रा, ईसीई कंचना घागरे, मंजुला खडसे, आरएसएस के सदस्य माधुरी पंवार, कविता साहू अतिथि के रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर चद्रशेखर वार्ड, इंदिरा वार्ड एवं भगतसिंह वार्ड की आंगनवाडी कार्यकर्ताओ एवं सहायिकाओं कौशल्या हजारे, सुनिता लोखण्डे, ज्योति उज्जैनकर, पुष्पलता माथनकर, कनकबाला माकोडे, प्रणीता सोनी, मालती पाटील, संगीता खातरकर, सरिता मालवी, पुष्पा खड्से ने तैयार किए गए पौष्टिक व्यंजनों को पेश किया। इस अवसर पर बडी संख्या में वार्ड की महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत चलाया गया स्वच्छता अभियान

नरसिंहपुर। जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, नदी के घाटों, पर्यटन स्थलों सहित अन्य स्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधि, शासकीय अमला, स्वयं सेवी संगठन, वार्ड वासी, ग्रामवासी व अन्य नागरिक स्वेच्छा से शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले टोन घाट पर्यटन स्थल के नाम से जाना जाता है। यहां जिले सहित अन्य स्थानों से लोग प्रकृति को निहारने के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहता है। यहां अधिकारी- कर्मचारियों ने पहुंचकर स्वच्छता अभियान चलाया। यहां कचरे और अनावश्यक झाड़ियों को हटाकर स्थल को स्वच्छ किया। उन्होंने यहां आने वाले लोगों से आग्रह किया कि वे यहां- वहां कचरे को नहीं फैलायें और स्थल को स्वच्छ बनाये रखें। इसी तरह स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ग्राम पंचायत उमरिया में ग्रामीणों ने अपनी स्वेच्छा से स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाया। इनकी इस प्रेरणा से अन्य ग्रामवासी भी प्रेरित हो रहे हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

अशासकीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। शासन द्वारा संचालित शैक्षणिक गतिविधियों के अशासकीय विद्यालयों में सुचारू क्रियान्वयन की जानकारी के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में अशासकीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में विकासखंड नरसिहपुर अंतर्गत संचालित अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख की जनपद शिक्षा केंद्र कार्यालय में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री ओपी राय व विकासखंड नेस प्रभारी श्री आरपी शर्मा मौजूद थे। समीक्षा बैठक में नरसिहपुर विकासखंड के 23 अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख की अनुपस्थित पर जनपद शिक्षा केंद्र द्वारा नोटिस जारी किया गया। समीक्षा के दौरान विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ने नेस के लिए की जा रही तैयारी, शाला की कक्षावार वास्तविक दर्ज संख्या यू-डाइस में टीचर प्रोफाइल तथा स्कूल प्रोफाइल एवं फेसेलिटी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। विकासखंड नेस प्रभारी ने राष्ट्रीय अचीवमेंट सर्वे (नेस) के लिए की जा रही अशासकीय विद्यालयों में तैयारी पर चर्चा करते हुए विस्तृत जानकारी दी एवं निराकरण किया। विकासखंड एमआईएस समन्वयक श्री ओपी मेहरा द्वारा शालाओं में नामांकन अंतर्गत शिक्षा पोर्टल/यूडाईस पोर्टल पर छात्र छात्राओं को मैप/ अनमैप करने एवं यू-डाइस में टीचर प्रोफाइल तथा स्कूल प्रोफाइल के अद्यतन संबंधी जानकारी दी गई और शालाओं में आ रही तकनीकी समस्याओं का निराकरण किया गया।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक

नरसिंहपुर। स्वच्छता की सेवा 2024 के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान थीम पर विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। नाटक के द्वारा स्वच्छता से स्वास्थ्य और कचरा प्रबंधन का सन्देश दिया गया। नुक्कड़ नाटक संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र की छात्राओं इरम बी, नादिरा, अपसारी बी, भूमिका, लक्ष्मी, नदनी वंशकार, रिया वंशकार, शानू प्रजापति, तस्लीम बी, महक, मोनिका ठाकुर ,मेघा, संजना प्रजापति, निशा प्रजापति, तब्बशुम बी, नीता, रीमा नेमा,के द्वारा तैयार किया गया। प्रस्तुति के दौरान वरिष्ठ रंगकर्मी संजय लुरेले उपस्थित रहे उन्होंने सभी कलाकारों को बधाई दी। जन शिक्षण संस्थान के निदेशक आशीष कुमार सेन एवं कार्यक्रम अधिकारी सुमित दुबे उपकार्यक्रम अधिकारी रोशन पटेल, पूनम पाली,मुकेश कुमार भारिया, वंदना पटेल, दीक्षा मेहरा अंजली ठाकुर व आमजन उपस्थित रहे ।

पुलिस ने आदतन शातिर अपराधी को शराब तस्करी करते हुए दबोचा

बैतूल। आगामी त्योहारों में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश के तहत, जिले में अपराधों की रोकथाम हेतु चल रही लगातार कार्रवाइयों के अंतर्गत 25 सितम्बर को बोडखी चौकी पुलिस द्वारा थाने के गुण्डा-बदमाश आरोपी 'अमन पिता संजय बेले, उम्र 24 साल, निवासी ग्राम हसलपुर को अवैध शराब की तस्करी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के पास से कुल 60 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। 25 सितम्बर को चौकी बोडखी पर मुखबिर द्वारा शराब तस्करी की सूचना चौकी प्रभारी नितिन पटेल को दी गई। इस सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी ने थाना प्रभारी सत्यप्रकाश सक्सेना को जानकारी दी एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया।

खेलो इंडिया में जयंती मुवेल ने जीता रजत पदक

धार। वडोदरा में खेली गई फेस 1 व 2 अस्मिता खेलो इंडिया ताइक्कांडो लीग में धार की जयंती मुवेल ने जूनियर वर्ग में 55 किलो वजन वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर शहर व प्रदेश का गौरव बढ़ाया ।

धार ताइक्कांडो डेवलपमेंट की कोच गगन सिंह ने बताया कि जयंती ने पहले राउंड में हरियाणा तथा दूसरे राउंड में उत्तर प्रदेश व तीसरे में राजस्थान की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन फाइनल में उन्हें गुजरात की खिलाड़ी से हार मिली परंतु फाइनल में उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा था। जयंती धार की एक मात्र खिलाड़ी है जिन्हें इस स्पर्धा में पदक हासिल किया। जयंती का चयन जुलाई माह में टीएफआई की स्टेट चैंपियनशिप के आधार पर हुआ था। इंदौर में हुई इस स्पर्धा में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था सफलता पर एसोसिएशन अध्यक्ष प्रवीण तोमर, महेश मुवेल और गुरुकुल एकेडमी प्रिंसिपल शैलेश शर्मा ने शुभकामनाएं दी।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को भोजन परोसा

धार। भारतीय जनता पार्टी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा माना रही है जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम जिले में आयोजित किए जा रहे है। सेवा पखवाड़ा

अंतर्गत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री एवं सांसद सावित्री ठाकुर ने गुरुवार को पितृपक्ष की नवमी को वृद्धाश्रम में सेवा कार्य कर वृद्धजनों को भोजन परोसा तथा गढ़ कालिका देवी मंदिर परिसर क्षेत्र में एक पेड़ माँ के अभियान के तहत त्रिवेणी पौधा का रोपण किया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे ,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर राजेश डाबी, अनिल गेहलोत सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यवस्थाओं में लापरवाहियों को लेकर हिन्दू उत्सव समिति ने ज्ञापन दिया

नर्मदापुरम। सत्यं सनातन धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन की व्यवस्था में प्रशासन द्वारा विगत कई वर्षों से लापरवाही उदासीनता जैसे महत्वपूर्ण कार्य को गंभीरता से नहीं लेने के कारण आज हिन्दू उत्सव समिति नर्मदापुरम के सभी हिन्दू उत्सव समिति के पदाधिकारियों सदस्यों द्वारा जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसमें मुख्य मांग निम्नलिखित हैं। 1. शहर के मुख्य मुख्य मार्ग पर बिजली विभाग के जो तार नीचे झूल रहे हैं ओर खुले पढ़ें है। उनको नवरात्रि से पहले ठीक किए जाएं जीयों कम्पनी के तार सारे शहर में जगह-जगह बहुत ही नीचे झूल रहे हैं उन्हें हटाए जाएं 2. नगरपालिका प्रशासन द्वारा शहर में जगह-जगह देवी देवता की स्थापना होती है। सभी जगह पर साफ-सफाइ विद्युत प्रकाश की उचित व्यवस्था सभी पंडाल के शुद्ध पानी की व्यवस्था 3. सेठानी घाट पर विसर्जन के समय एक केन की व्यवस्था साथ ही नगरपालिका प्रशासन के कर्मचारियों की डिप्युटी लगी रहे जिससे समितियों का सहयोग किया जाए शहर में जगह-जगह आवारा मवेशियों को गधे, गाय, सियार, कुत्ते,,को नगर से बहार किया जाए व्यवस्थित किया जाए शहर में सभी धर्मों के एवं राजनीतिक पार्टियों के जगह-जगह सड़क पर झंडे एवं बेनर पोस्टर जो खराब हो गए हैं। उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाएं जाए त्यौहारों के समय बिजली कटौती ना कि जाएं शहर के मुख्य मुख्य सड़कों पर बारिश के मौसम में जगह-जगह सड़क खुद गई है गड़े हो गाए हैं उन्हें नगरपालिका प्रशासन से जल्दी से ठीक कराएं नवरात्रि त्यौहार के समय सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं इन सभी मांगों को लेकर हिन्दू उत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों ने कलेक्टर और महाप्रबंधक विधुत विभाग सांसद सहित विधायक, नपाध्यक्ष, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, यातायात व्यवस्था को ठीक करने के लिए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें बड़ी संख्या में सत्य सनातन धर्म के लोग एकत्रित हुए सभी मांगों को कलेक्टर महोदय ने सभी व्यवस्थाओं को ठीक करने का पूर्ण विश्वास दिलाया है।

छात्रावासों का मासिक निरीक्षण का कार्य समय पर हो : प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार

धार। होस्टल अधीक्षक मानक प्रक्रिया को दृष्टिगत रखते हुए कार्य करें। छात्रावासों का मासिक निरीक्षण का कार्य समय पर हो। अधीक्षक अपने अपने मूल कार्य पर पूरी नजर रखे। बीईओ, प्राचार्य, अधीक्षक की सामूहिक जिम्मेदारी है कि होस्टल में बच्चों को कोई परेशानी न हो। बच्चों की मेन्टल हेल्थ का भी ध्यान रखे उनसे लगातार चर्चा करते रहे। यह बात प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ ई. रमेश कुमार ने पीएम एक्सिलेंस कॉलेज के विकम सभागृह में समस्त हाई स्कूल/उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यो,छात्रवास अधीक्षकों, की बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग तात्कालिक कार्य के लिए सजेत रहे। धार जिला एक ट्रायबल बाहुल्य क्षेत्र है। उन्होंने भी कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा होस्टल में रहकर ही करी है। उन्होंने कहा कि पहले अधीक्षक का बच्चों के प्रति लगाव रहता था। अब बच्चों की मानसिक स्थिति में भी बदलाव आया है। सभी अपनी मौलिक जिम्मेदारी को समझे। जिले में किसी प्रकार की अव्यवस्था होने पर कार्यवाही की जाएगी। धार जिला ट्रायबल के लिए फोकस है। होस्टल अधीक्षक एक रजिस्टर तैयार कर समय-समय बच्चों की माता पिता से बात करवाते रहे । इसके साथ ही बच्चों को समय भी दे। छात्रवास में स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई की व्यवस्था अच्छी रहे। अधीक्षक अपने दायरे और गरीमा को समझे, बच्चों के प्रति व्यवहार सही हो। उनसे इमोशनल

कनेक्श हो। सभी हॉस्टलों में स्पोट्स और सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए कैलेंडर तैयार करें । प्राचार्य हर माह अपने हॉस्टलों का निरीक्षण कर बच्चों से चर्चा करें रिपोर्ट तैयार करें। उनके करियर काउंसलिंग करें, बीआरसी और जन शिक्षक हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण करें।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि प्राचार्य अपनी व्यक्तिगत रुचि लेकर बोर्ड के एग्जाम में अच्छा रिजल्ट लाए। प्राचार्य की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि स्कूल में अच्छा वातावरण तैयार करें। अधीक्षक अपने दायित्व को अच्छे से निभाए। संभागीय उपायुक्त बृजेश चन्द्र पाण्डे ने कहा कि धार जिला एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। माता-पिता उम्मीद के साथ अपने बच्चे हॉस्टल में छोड़ के जाते हैं । बच्चों की शिक्षा के लिए हमारा कर्तव्य है कि उसकी गतिविधियों को देखें। समय-समय पर अधीक्षक बच्चों और उनके पालकों को से चर्चा करते रहें।

कन्या परिसर में सीसीटीवी कैमरे कार्यरत रहे....- कन्या परिसर में सीसीटीवी कैमरे कार्यरत रहे। वहां पर महिला की नाइट ड्यूटी लगाएं हॉस्टल अधीक्षक का भी वही निवास करें। नेस इसके लिए सभी तैयारी कर ले। हॉस्टल अधीक्षक अपने दायित्व पर ध्यान दें। बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें ,बच्चे अनुशासन में रहे। डिजिटल स्टूडियो का उपयोग कर बच्चों को डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराए। इस सत्र के रिजल्ट शत प्रतिशत रहे। यह बात प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ ई. रमेश कुमार ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित विशिष्ट संस्थाएं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आवासीय विद्यालय की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी ,उपायुक्त बृजेश चन्द्र पाण्डे मौजूद रहे।

गेट पोल और जाली, उदय रंजन क्लब के पदाधिकारियों ने उखाड़ी

धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी कलेक्टर से मिले एवं ज्ञापन सौंपा

धार। धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा लगाए गए गेट पोल और जाली उदय रंजन क्लब के पदाधिकारियों द्वारा उखाड़ने व कोच और खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार करने पर धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से मिले एवं उन्हें ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन में बताया गया कि धार जिला किकेट एसोसिएशन के खिलाड़ी 2015 के पूर्व क्लब के पीछे स्थित उदाजी किकेट मैदान (एस.पी.डी.ए. मैदान) पर किकेट खेलते थे। लेकिन स्पोटर्स अथारिटी ऑफ इण्डिया नई दिल्ली का एसएजी/एसटीसी सेन्टर स्थापित होने पर तत्कालीन कलेक्टर श्रीमती जयश्री कियावत ने 27-01-2015 को उदयरंजन क्लब के अग्रभाग के साइड के मैदान को लिखित में क्रिकेट नेट प्रेक्टिस हेतु धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन को दिया था। क्योंकि उदाजी किकेट मैदान उदयरंजन क्लब का हिस्सा है। इस मैदान को धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन को दिलवाने में तत्कालीन इन्दौर डिविजन किकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश विजयवर्गीयजी की अहम् भूमिका थी।

उक्त क्रिकेट मैदान का ग्राउण्ड लेवलिंग 5 क्रिकेट नेट्स, पिच का निर्माण व जाली व पोल द्वारा चार दिवारी का निर्माण धार जिला किकेट एसोसिएशन द्वारा किया गया है।

17 सितम्बर 2024 को स्विमिंगपूल का भूमिपूजन करने के बाद 18 सितम्बर 2024 को क्लब के पदाधिकारी नरेन्द्र मण्डलोई, रवि सेंगर व पंकज अग्रवाल ने क्रिकेट मैदान के गेट, जालियां, क्रिकेट नेट्स के पोल

उखाड़कर क्लब के पीछे के भाग में लगा दिये गये है। क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को बताया कि हम यह कार्य कलेक्टर व एस. डी. एम. के निर्देश पर कर रहे है साथ ही पदाधिकारी रवि सेंगर ने किकेट कोच आलोक दुबे व खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। कलेक्टर एवं एसडीएम ने पदाधिकारियों को बताया कि हमने उदय रंजन के पदाधिकारी को कोई निर्देश नहीं दिए थे कलेक्टर को जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पोल एवं जाली के बिल सी.ए. की ऑडिट रिपोर्ट वह उदय रंजन के पदाधिकारी के कृत्य की फोटो मय प्रमाण सहित दिए।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने उदय रंजन क्लब के पदाधिकारी नरेंद्र मंडलोई रवि सिंगर और पंकज अग्रवाल द्वारा किए गए कृत्य की निष्पक्ष जांच करने हेतु एसडीएम रोशनी पाटीदार को टेलीफोन पर निर्देश दिए।

प्रतिनिधिमंडल में धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी ,सचिव राजेंद्र सिंह चौहान , मुख्य कोच आलोक दुबे ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद तहसीलदार मंदिर का चार्ज नही ले पा रहे : पवन सुत महाराज

प्रशासक बना याचक

नर्मदापुरम। पिपरिया तहसील में श्रीराम जानकी बढिया वाला मंदिर एक लोकन्यास है जिसका पंजीकरण क्रमांक 154/55 है। मंदिर व्यवस्थापक पुजारी यंगेश दास ने छल से उसमें अपना नाम न्यास मे 5/2/08 को चढ़वा लिया था, जिसे हाईकोर्ट ने 7/8/24 को निरस्त कर दिया, उसे लेकर वकील बाबा के संगठन षडदर्शन विश्व अखाड़ा परिषद ने आवेदन किया कि न्यास व्यवस्थापक विहीन होने से लावारिस हो गया, इसमें शासकीय प्रतिनिधि नियुक्त किया जाए। मामले में अनुविभागीय अधिकारी ने तहसीलदार को प्रबंधन के लिए 23 /8/24 को आदेशित किया बताया जाता है कि दो तीन बार तहसीलदार उस मंदिर का चार्ज लेने गए पर मंदिर व्यवस्थापक यंगेशदास हमेशा भाग जाता है और उसका पूरा परिवार अपने आपको मंदिर का मालिक बताकर झगड़ने लगता है, ऐसे में वहां के नागरिक सवाल करते हैं आखिर लोकन्यास की सम्पत्ति पर वास्तविक अधिकार किसका है, इस मंदिर में तो भगवान संकट मै है, बताया जा रहा है इससे मंदिर में पूजा नही हो रही, मंदिर की चाबियां व्यवस्थापक लेकर चला जाता है। यह बात स्वयं मंदिर मे उपस्थित पुजारी के पिता जगदीश शर्मा तहसीलदार को बता चुके है। इसे लेकर षट्दर्शन विश्व अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष कहते हैं ऐसे मे स्वयं सिद्ध होता है कि मंदिर में भगवान कैद है, महाराज कहते हैं कि इस मामले में अपराधी फरार है, फिर हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी लोक संपदा मानों लुटेरों के हाथ में है,और प्रशासन बार बार याचक बनकर उससे चार्ज मांग रहा है यह बडी ही हास्यास्पद बात है, पवनसुत महाराज का यहां कहना है प्रशासन शायद सार्वजनिक सम्पत्ति को श्राद्ध के निमंत्रण की गुलाब जामुन समझ रहा है कि अयोग्य, अवैधानिक व्यक्ति आमंत्रण देगा और स्वत चार्ज सौपेगा , महाराज जी यहां प्रशासन से पूछ रहे हैं ये चुहे बिल्ली का खेल कब तक चलेगा। आखिर उसे सार्वजनिक मंदिर की सम्पदा नष्ट करने का पूर्ण अवसर दिया जाना, जो न्याय प्रणाली और प्रशासन पर प्रश्न चिह्न लगा रहा है। इतना ही नहीं जबकि गर्भगृह की बेशकीमती धन सम्पत्ति प्रशासन ने स्वयं जांचकर पाया कि पुजारी व्यवस्थापक ने गायब की है, उनका कहना है एक वर्ष पहले उस सार्वजनिक मंदिर की सुरक्षा के लिए शासकीय प्रतिनिधि की नियुक्ति की गयी किन्तु आज दिनांक तक प्रशासन उसे अपनी अभिरक्षा मे नही ले पाया आखिर ऐसा क्यों..? यह बात राजा मंदिर शोभापुर की भी है। जबकि प्रशासन के आदेश को किसी भी न्यायालय, उच्च न्यायालय, या सरकार द्वारा रोक नही लगाई है फिर आरोपी- शासन, प्रशासन और पुलिस की गिरफ्त से बाहर क्यों है.?

दो वार्डों में 15 सालों से जूझ रहे हैं कैंसर बीमारी से नागरिक, जल, खान पान आदि का सर्वे कराने की मांग

हीरालाल गोलानी सोहागपुर।

समस्त नगरवासी के बेनर तले नगर के दो जवाहर एवं रघुवंशीपुरा वार्ड में लगातार विगत 15 वर्षो से कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे नागरिकों के संदर्भ में अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में कहा गया है कि विगत 15 वर्षो से नगर के जवाहर वार्ड, रघुवंशीपुरा क्षेत्र में देखा जा रहा है।कि कैंसर की बीमारी के मरीजों में बढ़ोतरी हो रही है। इस कारण उक्त क्षेत्र में जल, खान-पान आदि का विशेष सर्वे कराकर निदान कराने का आग्रह किया गया है। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष चौधरी राजेन्द्रसिंह समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल, पूर्व नपाध्यक्ष अभिलाषसिंह चंदेल, कृष्णा पालीवाल, पार्षद जमील खान, पूर्व पार्षद चन्द्रकान्त चौरीसिया, पूर्व पार्षद अजीज पहलवान, वरिष्ठ वकील मंगलसिंह रघुवंशी, वरिष्ठ वकील जेपी माहेश्वरी, संतोष सराठे,दिनेश चौरसिया, उमेश रघुवंशी,पोहोप सिंह रघुवंशी,मनोज अग्रवाल वकील संजय तिवारी रामस्वरूप चौरसिया, अरुण चौरसिया, आकाश चौरसिया, नितिन चौरसिया, आशीष चौरसिया, दीपक चौरसिया,गोलू चौरसिया निरंजन चौधरी, उमेश शर्मा, वकील अखिलेश मालवीय, राजकुमार चौरसिया,राजेश चौरसिया, इरफान खान, वकील शिवकुमार पटेल, ऋषभ दीक्षित ,तेजराम चौरसिया सहित कई नागरिक उपस्थित थे।

आकाश चौरसिया के बोल

आकाश चौरसिया ने इस प्रतिनिधि को बताया कि

दो वार्डो में विगत वर्षो में करीबन 50 से अधिक नागरिक कैंसर की बीमारी से निधन हो चुका है। वहीं अभी भी कई लोग इस घातक बीमारी से जूझ रहे हैं। एसडीएम ने आश्वस्त किया है कि इस मामले की जानकारी कलेक्टर को देकर सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

सोशल मीडिया

इस ज्ञापन के पूर्व एक नगर के सोशल मीडिया पर नगर के शरद चौरसिया ने लिखा कि नगर तेजी से बढ़ रहें केंसर के मरीज सोहागपुर नगर के आसपास के क्षेत्र में बढ़ते केंसर मरीजो को देखते। क्षेत्र की जल व्यवस्था यहां के रहवासियों के खान-पान उनकी जीवन शैली दिनचर्या आदि के विषय में एक विशेष सर्वे कराया जाए।

और यह पता लगाने का प्रयास करें ।कि इतने ही परिक्षेत्र में इस बीमारी से ग्रसित लोग ज्यादा क्यों हैं...? आज ज्ञापन सौंपा जाएगा।

टैग

शरद चौरसिया लिखने के उपरांत वकील देवान्शु शर्मा ने लिखा कि ज्ञापन से क्या होगा भैया..इसका कारण सबको पता है 1. खाद सामग्रियों में मिलावट

2. कृषि उपजों में अत्यधिक मात्रा में पेस्टिसाइड और रासायनिक उर्वरकों का उपयोग, इस हेतु आवश्यक है की किसान बंधुओं को जैविक खेती के प्रति जागरूक किया जाए। और खाद सामग्रियों में मिलावट करने वालों पर कड़ी कार्यवाही। इन बिंदुओं पर ही विचार हो,यही दो कारण है मुख्यतः सभी बीमारियों के। पुनः शरद चौरसियाने लिखा यह बात सही है पर अगर किसी को किसी के व्यवसाय में ऐसा कहेंगे कि आपके इस वस्तु में मिलावट है तो उसको बुरा लगता है। रही बात इससे संबंधित अधिकारी ले देकर मामला खत्म कर देते है,, करप्शन और मिलावट नहीं रुक सकती और इंसान जानकर भी पहले ही खुद का दुश्मन बना बैठा है, पुनः वकील देवान्शु शर्मा ने लिखा कि कोई भी खाद सामग्री हो जैसे 'खाने का तेल इसमें सबसे अधिक पाम ऑयल मिलाया जाता है' फिर दूध की सामग्री घी,दही यह सबसे ज्यादा मिलावट के शिकार है, हमारा प्रशासन, हमारे जनप्रतिनिधि सभी को इस गंभीर विषय पर आगे आकर ठोस कदम उठाना होगा, क्योंकि खाद्य सामग्री कहीं न कहीं सभी के घर पहुंचती है। इसलिए अपने परिवार, नगर, और देश हित में इस मिलावटखोरी पर सख्त कारवाई हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में आज सागर में होगी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा और सेक्टोरल-सत्र होंगे

- नवीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं का होगा शिलान्यास एवं भूमि-पूजन
- मुख्यमंत्री करेंगे कोयंबटूर में एमपी आईडीसी कार्यालय का वर्चुअल लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 सितंबर को सागर में रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर सेक्टोरल-सत्रों में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न नवीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। इनमें सागर, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के लिए प्रस्तावित भूमि आवंटन, सागर में एमपीआईडीसी के रीजनल कार्यालय का भूमि-पूजन, सागर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर एवं निवाड़ी जिलों में जिला निवेश प्रोत्साहन केंद्र का लोकार्पण और कोयंबटूर में एमपीआईडीसी के कार्यालय का लोकार्पण शामिल हैं।

प्रदेश के चौथे रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव का आयोजन सागर के जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी ग्राउंड में शुक्रवार को किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में देश-विदेश के उद्योगपति एवं निवेशक शामिल होंगे। शुभारंभ सत्र में र देश के प्रमुख उद्योगपति राज्य में निवेश के प्रति अपने विचार रखेंगे।

सेक्टोरल-सत्र- कॉन्क्लेव में विभिन्न सेक्टोरल-सत्र आयोजित किये जायेंगे। इसमें पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक एवं संबधित सेक्टर (मुख्य फोकस बीना रिफ़ाइनरी से संबंधित) कृषि, खाद्य प्र-संस्करण और डेयरी क्षेत्र, एमएसएमई एवं स्टार्टअप, कुटीर उद्योग (मुख्य फोकस-बीड़ी उद्योग), रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल व टेक्निकल टेक्सटाइल पर दो राउंड-टेबल सत्र, एक ज़िला-एक उत्पाद (ओडीओपी) से संबंधित कार्यशाला और स्थानीय समस्याओं के आईटी आधारित समाधान के लिए हैकथोन का आयोजन भी शामिल हैं।

कॉन्क्लेव का मुख्य फोकस कुटीर उद्योग

कॉन्क्लेव का मुख्य फोकस स्थानीय कुटीर उद्योग होगा। बीड़ी उद्योग पर आधारित पृथक सेशन में विस्तृत कार्य-योजना पर चर्चा की जायेगी। 'एक ज़िला-एक उत्पाद' में सागर संभाग के सभी जिलों के स्थानीय उत्पादों की विश्व स्तरीय गुणवत्ता, विपणन एवं प्र-संस्करण सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी।

कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं संबंधी वीडियो फिल्म दिखाई जायेगी। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटिज इन मध्यप्रदेश पर और प्रमुख सचिव खनन एवं खनिज साधन श्री संजय शुक्ला द्वारा इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटिज इन माइनिंग सेक्टर पर प्रेजेंटेशन दिया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ल द्वारा इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटिज इन टूरिज्म सेक्टर और सचिव एमएसएमई डॉ. श्री नवनीत मोहन कोठारी एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स पर प्रेजेंटेशन देंगे। कॉन्क्लेव में प्रबंध निदेशक हस्तशिल्प, हथकरघा विकास निगम एवं मध्यप्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड श्री मोहित बुंदस द्वारा कुटीर एवं ग्रामोद्योग पर प्रेजेंटेशन देंगे। प्रमुख उद्योगपति मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर एवं टेक्सटाइल व टेक्निकल सेक्टर में निवेश पर राउंड टेबल मीटिंग होगी।

कॉन्क्लेव में एक जिला-एक उत्पाद सहित विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं की प्रदर्शनी एवं स्टॉल भी लगाये जायेंगे। कॉन्क्लेव में बुंदेलखंडी संस्कृति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। स्थानीय कलाकार बुंदेलखंडी नृत्य और गायन की आकर्षक प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम स्थल पर पारम्परिक तरीके से अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। अतिथिगण भोजन में स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे।

बंद फ्लैट में मिली 5 साल की बच्ची की लाश

भोपाल में 3 दिन से लापता थी ; लोगों ने थाना घेरा, सीएम हाउस घेरने की चेतावनी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शाहजहांनाबाद में 3 दिन से लापता बच्ची का शव गुरुवार को मिला है। बच्ची का परिवार जिस मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में रहता है, शव उसी बिल्डिंग के एक बंद फ्लैट में पानी की टंकी में मिला। बच्ची की हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने दो संदेहियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने शव टंकी समेत पोस्टमार्ट्म के लिए अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्ट्म के बाद छोला विश्राम घाट पर बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। गुस्साई भीड़ ने टीबी हॉस्पिटल रोड पर चक्काजाम कर दिया। थाने के सामने नारेबाजी का धरना दे दिया। लोग बच्ची की हत्या के आरोपियों को फांसी दिए जाने की मांग कर रहे थे। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने सीएम हाउस का घेराव करने की चेतावनी दी।

3 घंटे तक प्रदर्शन चला पुलिस अधिकारियों ने लोगों को भरोसा दिलाया कि आरोपियों को राउंडअप कर लिया गया है। मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद शाम को प्रदर्शन खत्म कर दिया। लोग चक्काजाम कर बच्ची की हत्या के आरोपियों को फांसी दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

शाहजहांनाबाद थाने के सामने 3 घंटे चला प्रदर्शन- भोपाल में शाहजहांनाबाद थाने के सामने रहवासियों ने करीब 3 घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि आरोपियों को राउंडअप कर लिया गया है। मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद शाम को प्रदर्शन खत्म कर दिया।

छोला विश्राम घाट पर हुआ अंतिम संस्कार- बच्ची के शव का पोस्टमार्ट्म हो गया है। छोला विश्राम घाट पर उसका अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस बच्ची के परिजनों को वैन में लेकर वहां पहुंची। पुलिस ने बच्ची के पड़ोसी बसंती चंचल और अतुल को हिरासत में लिया है। परिजनों ने उन पर बेचने की नीयत से बच्ची को उठाने के आरोप लगाए।

एडिशनल डीसीपी ने कहा- संदिग्ध लोगों से हो रही पूछताछ

एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित ने बताया कि बच्ची का शव सामने वाले घर में पानी की टंकी में मिला। बच्ची के शव का पोस्टमार्ट्म कराया जा रहा है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा। दो-तीन संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही हैं। जिस घर में शव मिला वहां पांच महीने पहले ही लोग किराए से रहने आए थे।

पड़ोसी ने कहा-आज फ्लैट से बदबू आई

मल्टी में रहने वाली पड़ोसी कला कुशवाह ने बताया कि पुलिस वाले बच्ची को नीचे तलाश कर रहे थे। उसके लापता होने के चौथे दिन आज फ्लैट से बदबू आ रही थी। मैं उसकी दादी को लेकर गई। उसकी दादी ने पुलिस वाले को बुलाया। पहले दो पुलिसकर्मी गए। उनके पीछे और लोग गए। हमें देखने ही नहीं दिया। पुलिस वाले पानी की टंकी साथ ले गए। ये किराएदार का फ्लैट था।

टंकी समेत बच्ची का शव ले गई पुलिस

जिस पानी की टंकी में बच्ची का शव मिला है, पुलिस टंकी समेत शव अस्पताल ले गई है। यहां पोस्टमार्ट्म कराया गया।

विवादित स्थल पर बनी मस्जिद को लेकर हंगामा

जबलपुर में वीएचपी-बजरंग दल कार्यकर्ताओं को रोका ; गायत्री मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में विवादित स्थल पर बनी मस्जिद को लेकर जमकर हंगामा हुआ। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल कार्यकर्ता बड़ी संख्या में व्हीकल फैक्ट्री के पास स्थित मड़ई क्षेत्र पहुंचे।

यहां जबरन मस्जिद के पास जाने की कोशिश की। इस दौरान मौके पर तैनात पुलिस बल ने उन्हें समझाने की कोशिश की। इस दौरान उनके और पुलिस के बीच झड़प हुई। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि अगर विवादित स्थल पर बनी मस्जिद को नहीं हटाया गया तो 3 हजार वर्ग फीट पर बनी मस्जिद को तोड़ दिया जाएगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में पेसा अधिनियम पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।

म.प्र. भाजपा ने एक करोड़ सदस्य बनाए

गुजरात को पीछे छोड़ा, देश में दूसरे नंबर का स्टेट बना मप्र

भोपाल (नप्र)। बीजेपी के सदस्यता अभियान में मप्र ने एक करोड़ 81 हजार सदस्य बनाकर रिकॉर्ड बनाया है। देश में यूपी पहले नंबर पर है गुजरात को पछाड़कर 3 सितंबर से 25 सितंबर तक चले पहले चरण के सदस्यता अभियान में एमपी देश में दूसरे नंबर पर आ गया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया से चर्चा में पहले राउंड के मैंबरशिप ड्राइव की जानकारी दी है।

भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा में वीडी शर्मा ने कहा- मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सिर्फ 24 दिन के अंदर प्रमाणिक एवं पारदर्शी तरीके से 1 करोड़ सदस्य बनाकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। लोकतंत्र में किसी राजनीतिक दल के इतने कम समय में रिकॉर्ड बनाना अभूतपूर्व है। संगठन पर्व के पहले चरण में प्रदेश में 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बने, जिसमें से 95 लाख ऑनलाइन फॉर्म भरे गए।

28 सितंबर को होगी सदस्यता अभियान का रिव्यू- संगठन पर्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लेकर मंत्री, सांसद, विधायक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं ने एक साथ मिलकर इतिहास बनाया है। यह बताता है कि मध्यप्रदेश में भाजपा का कार्यकर्ता कर्मठता और संगठन निष्ठा का आदर्श है। 28 सितंबर को सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक होगी, जो क्षेत्र पीछे रहे उन्हें भी अगले चरण में आगे लाने को लेकर योजना बनाई जाएगी।

मंदिरों के निजीकरण की मांग और किसान शोषण का गहरा गठजोड़

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजा पटैरिया ने बीजेपी पर हमला बोला

दमोह। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजा पटैरिया ने एक बयान जारी करके तिरुपति बालाजी देवस्थान से जुड़ी प्रसाद में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल मिलाने की घटना पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और टीडीपी दोनों ने राज्य सरकार पर इस मुद्दे को गलत तरीके से संभालने का आरोप लगाया जो अनुचित है।

यह एक संवेदनशील मामला है और भारत के हर कोने में इसे लेकर चर्चा हो रही है। लेकिन इस विवाद के पीछे एक और गंभीर साजिश चल रही है, जिसे चालाकी से पर्दे के पीछे से चलाया जा रहा है। इस बहाने राष्ट्रीय मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर निकालने की मांग की जा रही है। यह सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मंदिरों की अपार संपत्ति को अपने नियंत्रण में लेना है। तिरुपति, सबरीमाला और अन्य बड़े मंदिरों से आने वाली धनराशि बहुत अधिक होती है, और इस धन का उपयोग अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए करने की चाल है। यह सिर्फ मंदिरों का मामला नहीं है। यह सत्ता और नियंत्रण का खेल है।

किसानों का शोषण गाय के नाम पर

यह नियंत्रण केवल मंदिरों तक सीमित नहीं है। यह उन किसानों तक भी पहुंच चुका है, जो भारत की रीढ़ हैं। प्रदेश में सरकार किसानों से दूध 25 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदती है, फिर भी बाजार में मिलावटी दूध और उत्पाद बेचे जा रहे हैं। ऐसे में किसान कैसे जिंदा रह सकते हैं, जब उन्हें अपनी मेहनत का सही दाम नहीं मिलता।

मंदिर प्रबंधन में पारदर्शिता हो

मंदिरों के प्रबंधन में पारदर्शिता जरूरी है। हमने देखा कि सिंहस्थ में शिवराज सरकार के दौरान कैसे सप्तऋषि की मूर्तियों में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि निजीकरण से प्रबंधन नहीं सुधरेगा। यह सरकार सार्वजनिक हितों की रक्षा करने में विफल रही है। हम किसानों के अधिकारों की मांग करते हैं। किसानों को अधिक अधिकार, बेहतर मूल्य और शोषण से सुरक्षा मिलनी चाहिए। किसानों, मंदिरों और सार्वजनिक धन का भविष्य खतरे में है। सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण का विरोध करना चाहिए और उन लोगों को वह सम्मान और अधिकार दिलाना चाहिए, जिनकी मेहनत से यह देश चलता है।

शाजापुर के मक्सी में बाजार और स्कूल बंद

4 जिलों का पुलिस फोर्स तैनात ; दो पक्षों में हुआ था पथराव-फायरिंग

शाजापुर (उज्जैन) (नप्र)। शाजापुर जिले के मक्सी में बुधवार रात हुए दो पक्षों में उपद्रव के बाद क्षेत्र में तनाव है। पथराव और फायरिंग में जान गंवाने वाले शख्स के परिजन ने मक्सी मेन रोड पर प्रदर्शन किया। अधिकारियों की ओर से कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद परिजन माने और प्रदर्शन खत्म किया।

दहशत के कारण गुरुवार को बाजार नहीं खुले। यहां शाजापुर, आगर, उज्जैन और देवास का पुलिस फोर्स तैनात है। बस स्टैंड भी खाली है। स्कूल बंद रहे। प्रशासन ने 28 सितंबर तक इलाके में धारा 163 लगाई है।

दरअसल, मक्सी के बल्डी मोहल्ले में बुधवार रात दो गुट आमने-सामने हो गए। इस दौरान पथराव और फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, 7 लोग घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी भीड़ ने पत्थर फेंके। इस उपद्रव में अमजद खान (40) नाम के शख्स की मौत हो गई है।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि आरोपियों को पुलिस प्रशासन का संरक्षण है। 24 सितंबर को आवेदन दिया था, पुलिस तभी कार्रवाई कर लेती तो इतना बड़ा विवाद नहीं होता। प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में उन्हें खुला संरक्षण दिया, जिसके चलते आरोपियों ने पथराव और फायरिंग की। हमने परिवार के एक सदस्य को खो दिया और 7 लोग घायल हैं। जिसको गोली मारी है उसकी तीन महीने की बच्ची है।

जानकारी के अनुसार, 23 सितंबर सोमवार को रात करीब 9.30 बजे समीर खान थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि वह घर के बाहर खड़ा था, तभी अनीस खान, उसका भाई जावेद खान, इमरान खान और अनीस का भतीजा आकिब उर्फ आक्का आए। अनीस कहने लगा- तू बहुत तेज चलता है, तेरी सारी हेकड़ी भुला दूंगा। मैं मक्सी का दादा हूं। तुझे हफ्ते के 1000 रुपए मुझे खर्चे के देने होंगे।

दूसरे पक्ष ने लगाया एकतरफा कार्रवाई का आरोप

दोनों पक्ष के लोग बड़ी संख्या में थाने पर इकट्ठा हो गए। पुलिस ने शिकायत पर मारपीट के आरोपी अनीस और उसके साथियों पर केस दर्ज किया। मंगलवार को दूसरे पक्ष ने एसपी ऑफिस में आवेदन दिया। पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उसने बताया कि नशे में धुत समीर खान उसके साथी नगर परिषद अध्यक्ष के प्रतिनिधि महेंद्र पटेल, अरुण पटेल, सुमित पटेल समेत 30-40 लोग अनीस के घर पहुंचे।

गाली गलौज करते हुए अनीस को बाहर भेजने के लिए धमकाने लगे। परिजन ने कहा कि अनीस घर पर नहीं है। इस पर वे लोग घर जलाने और प्रशासन से तुड़वाने की धमकी देने लगे। फिर बंदूक से फायर कर दिया। कई राउंड फायर किए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। तब महेंद्र पटेल अपने साथियों को लेकर भाग गया। मक्सी थाने पहुंचे तो टीआई ने बाहर बैठाए रखा। खुद से आवेदन टाइप करवाकर दबाव बनाकर हमसे साइन करवा लिए। विवाद की सूचना के बाद देर रात उज्जैन कमिश्नर और आईजी मक्सी पहुंचे और स्थानीय अधिकारियों से चर्चा की।

उपद्रवियों के हाथों में बंदूक, कट्टे और पाइप थे

गुरुवार को मृतक अमजद के भाई जावेद ने एफआईआर दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि 25 सितंबर बुधवार रात करीब 8.30 बजे नगरपति हनुमान मंदिर के पास एबी रोड पर नगर परिषद अध्यक्ष का पति मोहन उर्फ कालू पटेल, प्रतिनिधि महेंद्र पटेल व अन्य 10 से 15 लोग कार और बाइक पर सवार होकर आए। उनके हाथ में बंदूक, कट्टे और लोहे के पाइप थे। आते ही गालियां देना शुरू किया।

राजगढ़ में बिजली गिरने से पति-पत्नी और बेटे की मौत, बेटी की हालत गंभीर

राजगढ़ (नप्र)। राजगढ़ के खिलचीपुर दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। इस दौरान बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, वहीं एक गंभीर घायल है। मृतकों में पति राजू सेन, पत्नी कृष्णा बाई और बेटा शामिल है, बेटी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार, राजगढ़ जिले में गुरुवार को अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। यहां खिलचीपुर में दोपहर के समय गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। जिससे खेतों में रखी किसानों की फसलें भीग गई। अब किसानों को फसलों में नुकसान होने की आशंका सता रही है। क्योंकि जिले में अधिकांश किसानों की फसल कटाई के बाद खेतों में पड़ी हुई है। ऐसे में आज हुई बारिश से फसल में नुकसान होने की संभावना बढ़ गई है।

सड़क पर हुआ जलभराव- जिले में शुक्रवार को दोपहर के समय मौसम ने अचानक करवट बदली और जिला मुख्यालय पर जहां दोपहर में आसमान में बादल छाए हुए हैं। वही दोपहर 4 बजे खिलचीपुर सहित उसके आसपास के क्षेत्र में तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान तेज बिजली की गड़गड़ाहट सुनकर भी लोग डर गए। वहीं, खिलचीपुर नगर में कई जगह तेज बारिश के कारण सड़कों पर पानी का भराव हो गया। अचानक हुई बारिश के चलते किसानों के चेहरे पर मायूसी दिखाई दी। इन दिनों किसानों के खेतों में मक्का और सोयाबीन की फसल काट कर पड़ी हुई है।

महिला को छेड़ा, विरोध किया तो थप्पड़ मारे

युवक ने गालियां दीं, बाल पकड़कर खींचा ; पत्थर पर सिर पटकने की कोशिश की

नरसिंहपुर (नप्र)। नरसिंहपुर में युवक ने महिला के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर महिला को बाल पकड़कर खींचा। थप्पड़ मारे। उसका सिर पत्थर पर पटकने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी भाग निकला। मामला गाडरवारा में मंगलवार का है। इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया।

35 वर्षीय पीड़िता एक ढाबे पर काम करती है। आरोपी ने यहीं घुसकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

महिला ने पुलिस को बताया कि जिस ढाबे पर वह काम करती है, उसी के पास रहने वाला लकी कोरी उस पर गंदी नजर रखता है। अक्सर उसका रास्ता रोककर अश्लील बातें करता है।

साथ काम करने वाले लोगों ने बचाया- महिला ने बताया कि वह 24 सितंबर को दोपहर 3 बजे ढाबे में खाना बना रही थी। इसी बीच लकी वहां आया। उससे अनचाही बातचीत करने की कोशिश की। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसका हाथ पकड़कर बदतमीजी की। महिला ने उसे दूर किया तो गालियां देने लगा। थप्पड़ मारकर उसके बाल खींचे। शोर सुनकर ढाबे पर ही काम करने वाले रामभरोसे और दुर्गेश नौरिया वहां पहुंचे। युवक से महिला को छुड़ाया।

महिला ने मंगलवार शाम को ही गाडरवारा थाने में शिकायत दर्ज कराई। ढाबे के सीसीटीवी कैमरे में दर्ज घटना के फुटेज भी सौंपे। इसमें आरोपी महिला के साथ मारपीट करता दिख रहा है। लकी ने महिला को बाल पकड़कर खींचा। उसका सिर पत्थर से मारने की कोशिश की।

आरोपी की तलाश में पुलिस पार्टी भेजी- गाडरवारा एसडीओपी रत्नेश मिश्रा ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश में पुलिस पार्टी भेजी गई है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।